RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 जब 12 ऑडिशन के बाद अनुप्रिया...

वर्ष : 27 | अंक : 112 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 13 अप्रैल, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

जमवारामगढ़ में दर्दनाक सड़क हादसा : खाटूश्याम जा रहे परिवार की कार ट्रेलर से टकराई

परिवार के पांच लोगों की मौत

जयपुर (एजेंसी)। जिले के जमवारामगढ़ क्षेत्र में आज सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे पर स्थित नेकावाला टोल प्लाजा के पास उस वक्त हुआ, जब लखनऊ से आए एक परिवार की कार सामने से आ रहे ट्रेलर से भिड़ गई।

घटना सुबह करीब 8 बजे की बताई जा रही है। हादसे में दो पुरुष, दो महिलाएं और एक साल का एक मासूम शामिल हैं। सभी मृतक एक ही परिवार से हैं और खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए निकले थे। ये लोग कार में सवार होकर दौसा की ओर से खाटू की तरफ जा रहे थे कि तभी सामने से आ रहे एक ट्रेलर से उनकी कार की आमने-सामने की टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रेलर भी सड़क से नीचे उतरकर पलट गया और कार के परखच्चे उड़ गए। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया, जिससे सभी लोग उसमें बुरी तरह फंस गए। हादसे के बाद हाईवे पर चीख-पुकार मच गई और दोनों वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकालने में पुलिस और स्थानीय लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

रायसर थाना प्रभारी रघुवीर सिंह ने बताया कि मृतकों के शवों को कार से निकालने के लिए गैस कटर का इस्तेमाल करना पड़ा। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि हादसा ओवरटेक करने की कोशिश के दौरान हुआ। घटना के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया, जिसे पुलिस ने काफी देर बाद नियंत्रण में लिया। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा : धुलियान में बीएसएफ जवानों को निशाना बनाकर फायरिंग, दो बच्चे घायल

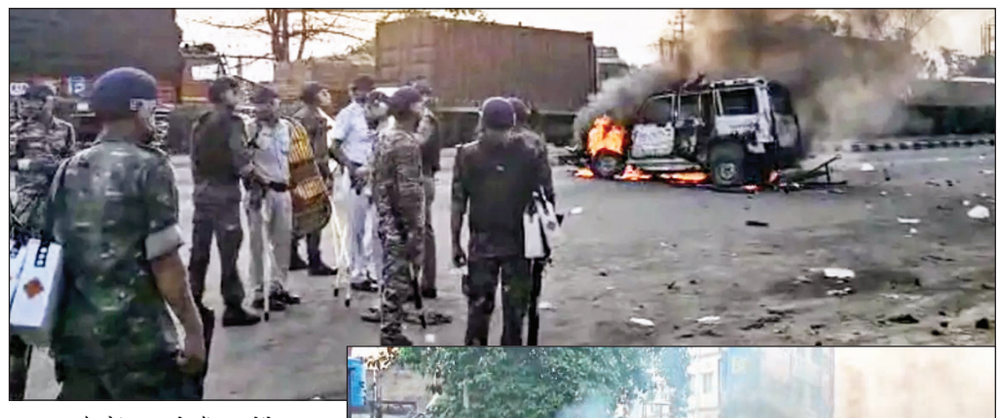

कोलकाता (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ बंगाल के मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के बाद से तनाव की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन द्वारा हिंसाग्रस्त इलाकों में शांति कायम करने की कोशिशों के बीच आज सुबह जिले के धुलियान इलाके में उपद्रवियों द्वारा फिर फायरिंग की खबर है।

बताया जा रहा है बीएसएफ टीम को निशाना बनाकर फायरिंग की गई। इसमें दो बच्चों के घायल होने की खबर है। हिंसाग्रस्त अन्य इलाकों से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। इधर, कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर शनिवार रात से ही जिले के हिंसाग्रस्त व संवेदनशील कई इलाकों में केंद्रीय बलों की तैनाती कर दी गई है। उन्होंने पूरी रात सूती और शमसेरगंज थाना क्षेत्रों में गश्त की। पुलिस भी गांवों का भी दौरा कर रही है।

हिंसा के सिलसिले में मुर्शिदाबाद जिले के विभिन्न हिस्सों से अब तक 150 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जिला प्रशासन सभी संगठनों के साथ आज सूती में शांति बैठक भी आयोजित करेगा। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार भी शनिवार रात से मुर्शिदाबाद के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर हैं।

शांति बहाली के लिए डीजीपी जिले के पुलिस अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने खुद कुछ हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में घूमकर स्थिति का जायजा लिया है। शनिवार को उन्होंने सख्त संदेश देते हुए कहा था कि किसी भी तरह की हिंसा व गुंडागर्दी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कोई भी व्यक्ति सड़क पर उतरकर कानून अपने हाथ में न लें।

बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के महानिरीक्षक करनी सिंह शेखावत भी हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद के दौरे पर हैं। उन्होंने हिंसाग्रस्त इलाकों में बीएसएफ की तैनाती का जायजा लिया। तो वहीं, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने हिंदुओं के दर्जनों घरों व दुकानों के साथ दो मंदिरों में भी उपद्रवियों द्वारा तोड़फोड़ किए जाने का दावा किया है।

मालूम हो कि मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ संशोधन कानून के विरोध में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई थी। 15 पुलिसकर्मियों समेत 17 लोग घायल भी हुए हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट ने शनिवार को मुर्शिदाबाद के हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय बलों की तैनाती का निर्देश दिया था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले के शमशेरगंज थाना क्षेत्र के जाफराबाद में शुक्रवार को उपद्रवियों ने एक 72 वर्षीय बुजुर्ग और उनके 40 वर्षीय बेटे को घर से खींचकर धारदार चाकू से बेरहमी से हत्या कर दी थी। उपद्रवियों ने घर में भी जमकर तोडफ़ोड़ की। मृतकों की पहचान हरोगोविंद दास (72) और पुत्र चंदन दास (40) के रूप में हुई।

नोएडा में 'ऑपरेशन कन्विक्शन' की बड़ी सफलता

27 महीनों में 3,932 अपराधी जेल भेजे, 33 को आजीवन कारावास

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्ध नगर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' ने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बीते 27 महीनों के भीतर पुलिस ने विभिन्न संगीन मामलों में 3,932 आरोपियों को जेल भेजा है, जिनमें से 33 अपराधियों को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

यह अभियान पुलिस प्रशासन की रणनीतिक योजना, प्रभावशाली पैरवी और ठोस साक्ष्य प्रस्तुत करने की क्षमता का परिणाम है। 'ऑपरेशन कन्विक्शन' का उद्देश्य गंभीर अपराधों में संलिप्त अपराधियों को न्यायिक प्रणाली के माध्यम से सजा दिलाकर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।

पुलिस कमिश्नरेट की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, इन मामलों में हत्या, डकैती, लूट, बलात्कार, अपहरण और संगठित अपराध जैसी वारदातें शामिल थीं। इन सभी मामलों में पुलिस ने न सिर्फ आरोपियों की गिरफ्तारी की, बल्कि सबूतों के आधार पर अदालत में उनकी दोषसिद्धि भी सुनिश्चित की।

नोएडा पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस ऑपरेशन से अपराधियों में कानून का डर पैदा हुआ है और जिले में अपराध दर में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। आम जनता में सुरक्षा की भावना पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है।

गौतमबुद्ध नगर पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने बताया कि 'ऑपरेशन कन्विक्शन' भविष्य में भी इसी सख्ती से जारी रहेगा। पुलिस की कोशिश है कि किसी भी अपराधी को कानून के शिकंजे से बचने का मौका न मिले। हम अपराधमुक्त और सुरक्षित नोएडा के लक्ष्य की ओर लगातार अग्रसर हैं।

पुलिस प्रशासन की इस पहल को लेकर आम नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने भी सराहना की है। 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अब एक उदाहरण बन चुका है कि यदि कानून का अनुपालन और न्याय प्रक्रिया ठोस इरादों से की जाए, तो अपराधियों को सजा दिलाना संभव है और समाज में न्याय की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

गढ़ी रामी में राणा सांगा जयंती पर उमड़ा जनसैलाब

आगरा (एजेंसी)। क्षत्रिय वीरता और एकजुटता का अद्भुत नज़ारा शनिवार को एत्मादपुर के गढ़ी रामी गांव में देखने को मिला, जहां राणा सांगा की जयंती के अवसर पर हजारों की संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग एकत्र हुए। आयोजन स्थल पर भारी भीड़ उमड़ी, जिसमें हाथों में तलवारें और पारंपरिक हथियार लिए लोग पारंपरिक परिधान में पहुंचे।

करीब 20 बीघा भूमि में बने पंडाल और मंच पूरी तरह से खचाखच भर गया। मंच की ऊंचाई चार फीट रखी गई थी, जहां से समाज के विभिन्न नेताओं और वक्ताओं ने वीर राणा सांगा की शौर्यगाथा का गुणगान किया।

आयोजकों के अनुसार, राणा सांगा की जयंती पर एक लाख से अधिक लोग आयोजन में शामिल हुए। भीड़ का आकार देखते हुए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह से सतर्क नजर आया। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। भीड़ में तलवारें और अन्य पारंपरिक हथियार देख पुलिस ने कई जगह रोकने की कोशिश की, लेकिन भीड़ का उत्साह प्रशासनिक प्रयासों पर भारी पड़ा।

आगरा के अलावा मथुरा, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, अलीगढ़, कासगंज समेत कई जिलों से क्षत्रिय समाज के लोग बाइक, कार और अन्य वाहनों से आयोजन स्थल पर पहुंचे। सुबह से ही काफिले पहुंचने लगे थे, जिससे आयोजन स्थल के आसपास जाम की स्थिति भी बन गई।

इस विशाल जनसभा की शोभा तब और बढ़ गई जब चर्चित राजपूत नेता शेर सिंह राणा आयोजन स्थल पर पहुंचे। जैसे ही वह मंच पर आए, जय राणा सांगा के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। उनके स्वागत में युवाओं ने पारंपरिक अंदाज में तलवारें लहराईं।

हाल ही में एक सपा सांसद द्वारा राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान को लेकर समाज में आक्रोश देखने को मिला। कई वक्ताओं ने मंच से इस बयान की निंदा करते हुए इसे क्षत्रिय समाज का अपमान बताया और एकजुट होकर इसका जवाब देने का आह्वान किया।

जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर डटे रहे। भीड़ की संख्या और माहौल को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई। आयोजन स्थल पर ड्रोन कैमरों से निगरानी भी की गई ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

फिर खुला FITJEE नोएडा सेंटर, अभिभावकों में रोष

नोएडा (चेतना मंच)। कोचिंग इंडस्ट्री के एक नामचीन ब्रांड FITJEE का नोएडा सेंटर एक बार फिर से चर्चा में है। सेक्टर-62 स्थित इस प्रतिष्ठित संस्थान को बीते महीनों में भारी विवादों और बंदी के बाद अब नए सिरे से FITJEE 2.0 नाम से पुन: शुरू किया गया है। लेकिन यह नई शुरुआत भी विरोध और विवादों से घिरी नजर आ रही है।

जहां एक ओर कुछ छात्रों ने पुन: शुरू हुई कक्षाओं में भाग लेना शुरू कर दिया है, वहीं बड़ी संख्या में अभिभावकों ने सेंटर के बाहर प्रदर्शन करते हुए इसे नई ठगी की शुरुआत करार दिया है। प्रदर्शन कर रहे अभिभावकों का आरोप है कि पहले भी संस्थान ने 5 से 6 लाख रुपये की मोटी फीस वसूल कर अचानक कोचिंग बंद कर दी थी। शिक्षक बिना किसी सूचना के इस्तीफा देकर चले गए और छात्रों की पढ़ाई अधर में लटक गई थी।

अब उसी सेंटर को एक नई फ्रेंचाइज़ी के बैनर तले दोबारा खोलने की कोशिश की जा रही है, जिससे अभिभावकों में गुस्सा और अविश्वास की भावना उभर आई है।

एक अभिभावक सतसंग कुमार ने बताया, हमें मेल के जरिए क्लासेज फिर से शुरू होने की जानकारी दी गई, लेकिन पहले हमारे साथ जो धोखा हुआ, उसका जवाब हमें आज तक नहीं मिला। अब फिर से भरोसा कैसे करें? हमें हमारा पैसा वापस चाहिए।

अभिभावकों के मुताबिक, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में इस मामले को लेकर कई स्ट्रक्र दर्ज की गई थीं, जिन्हें अब मिलाकर एक SIT (विशेष जांच दल) का गठन किया गया है। इस जांच की निगरानी डीसीपी शक्ति अवस्थी कर रहे हैं।

FITJEE पर लगे ये गंभीर आरोप कोचिंग इंडस्ट्री की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े करते हैं। लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी छात्रों का भविष्य यदि असुरक्षित बना रहे तो माता-पिता की नाराज़गी स्वाभाविक है।

सैकड़ों लोगों ने वरिष्ठ पत्रकार पवन राज सिंह के पिता को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। वरिष्ठ पत्रकार एवं पीएनआई न्यूज़ के संपादक पवन राज सिंह के पिता स्वर्गीय तेजपाल सिंह की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सेक्टर-56 स्थित सामुदायिक भवन में किया गया। स्वर्गीय तेजपाल सिंह विद्युत विभाग में सेवारत थे। अपने कार्य के साथ-साथ वे सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से योगदान देते थे। वे अपने पीछे तीन सुपुत्र पवन राज सिंह, राजेंद्र कुमार एवं ललित कुमार सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्रद्धांजलि सभा में नोएडा विधायक पंकज सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल, राज्य मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नगर, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, पीयूष द्विवेदी, एनईए अध्यक्ष विपिन मल्हन, सुधीर श्रीवास्तव, राकेश कोहली, परविंदर सिंह, संदीप अग्रवाल, आईआईए अध्यक्ष नवीन गुप्ता, निर्मल कांत गोयल, हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन से सी.पी. शर्मा, मोहन कपूर, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल से विकास जैन, लक्ष्मी नारायण मंदिर ट्रस्टी जगमोहन सेठ, हरीश सभरवाल, इंद्रपाल खंडपुर, पंजाबी विकास मंच से दीपक बिग, संजीव पुरी, पंजाबी एकता समिति से वीरेंद्र मेहता, नरेंद्र चोपड़ा, गौरव चाचरा, लघु उद्योग भारती से सतबीर सिंह, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल से सुधीर चंद्र पोरवाल, अमित अग्रवाल, अमित पोरवाल, नवीन पोरवाल, विश्व हिंदू परिषद से राजीव शर्मा, उमानंदन कौशिक, जागृति लीला फाउंडेशन से कुम्मु भटनागर, एमएसएमई इंडस्ट्री एसोसिएशन से सचिन राणा, ब्राह्मण समाज महासंघ से गिरीश मिश्रा, ब्राह्मण समाज सेवा समिति से हरीश मिश्रा, अंतर्यामी सत्संग भवन से प्रवीण बीनू शर्मा एवं शैल माथुर, श्री नारायण सांस्कृतिक चेतना न्यास से राजन श्रीवास्तव, भारतीय सिंधु सभा से नरेश कुमार जोतवानी, पूर्व आईएएस गणेश शंकर त्रिपाठी, हग्स लाइफ होलिस्टिक से लवलीत पीर, श्री सिद्ध पीठ शनि मंदिर से ठाकुर मानसिंह चौहान एवं राजीव मिश्रा, नवरत्न फाउंडेशन से अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव व नवरत्न श्रीवास्तव, भारत विकास परिषद से डॉ. एस.पी. जैन, टी.एन. गोविल, अतुल कांत वर्मा, प्रताप मेहता, विष्णु गोयल, सत्यनारायण गोयल, फोनरवा से के.के. जैन, श्री राम मित्र मंडल से धर्मपाल गोयल, मुकेश अग्रवाल, अनिल गोयल, पेइंग गेस्ट हाउस ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन से विशेष त्यागी, अभिषेक सिंघल, स्याद्वाद युवा क्लब से मनोज जैन एवं सुनील जैन, कैलाश हॉस्पिटल के वरिष्ठ प्रबंधक विश्व बंधु जोशी, श्री रामकृष्ण धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट से प्रवीण पांडे, राजपुताना विकास महासभा से सत्यपाल सिंह, डॉ. सुभाष गुप्ता, मनीष गुप्ता, महेश अवाना, डिंपल आनंद, धर्मेंद्र चौहान, सचिन अंबावत, मुख्तार प्रजापति, जयप्रकाश प्रजापति, गिप्स इंडिया से दिनेश गिरी, गणेश शर्मा, राकेश गर्ग, गंगेश्वर दत्त सहित नोएडा के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ADMISSION OPEN
SARASWATI
GLOBAL
SCHOOL
NCERT
BOOKS
(Buy NCERT Books from any stationary shop)
Sector 22 Noida
Mob.8750611103

बड़ी कूटनीतिक जीत

लगभग डेढ़ दशक के प्रयासों के बाद, देश को दहला देने वाले मुंबई आतंकी हमले के सूत्रधार रहे पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण हमारी बड़ी कानूनी व कूटनीतिक जीत है। यह सफलता तब ही पूर्ण मानी जाएगी जब इस साजिश में बड़ी भूमिका निभाने वाले डेविड कोलमैन हेडली का भारत प्रत्यर्पण हो सकेगा। जिसने मुंबई हमले से पूर्व आतंकियों द्वारा निशाने पर लिए गए जगहों की कई बार रेकी करके आतंकी सरगनाओं की मदद की थी। निश्चय की तहव्वुर राणा का भारत लाया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि जांच के बाद मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान सरकार तथा आईएसआई की भूमिका व पाक स्थित आतंकी संगठनों के खतरनाक मंसूबों का खुलासा हो सकेगा। सही मायनों में यह हमारी खुफिया एजेंसियों की भी कठिन परीक्षा होगी कि इस साजिश की तह तक कैसे पहुंचा जाए। भारतीय खुफिया एजेंसियां से यदि इस बड़ी साजिश की कड़ियां सही तरह से जोड़ पायी तो आतंकवाद की उर्वरा भूमि बने पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब किया जा सकेगा। यही वजह है कि 26/11 के दहला देने वाले मुंबई हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण करने के रास्ते अवरोध खड़े करने में प्रत्यक्ष-परोक्ष तौर पर पाक समर्थकों द्वारा कोशिशें की गई। वे सारे कानूनी उपाय अपनाए गए जो राणा का प्रत्यर्पण रोक सकते थे। बहरहाल, इस प्रत्यर्पण से उन शहीदों के परिजनों को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है, जिनकी इस आतंकी हमले में मृत्यु हुई थी। अब तक उनके परिजनों को इस बात का मलाल था कि सोलह साल बाद भी सभी अपराधियों को सजा नहीं मिली सकी है। साथ ही राणा की पूछताछ से होने वाले खुलासों से आतंकवाद की पाठशाला बने पाकिस्तान को अलग-थलग करने के प्रयासों को भी बल मिलेगा। निश्चित रूप से तहव्वुर राणा के खिलाफ भारतीय कानून व न्याय व्यवस्था के मानकों के अनुरूप ही कार्रवाई होगी। साथ ही अजमल कसाब की तरह उसकी अपनी बात कहने को कानूनी मदद भी दी जाएगी। हालांकि, अब तक पाकिस्तान मुंबई आतंकी हमले में अपना हाथ होने से लगातार इनकार करता रहा है, लेकिन सभी प्राथमिक सूचनाएं और ठोस सबूत पाक की तरफ इशारा करते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर वह अपनी धरती पर कुख्यात आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के बड़े गुर्गों को संरक्षण देकर उनका बचाव करता रहा है। ऐसे में हमारी जांच एजेंसियों के अधिकारी तहव्वुर राणा से सख्त पूछताछ से सच्चाई सामने लाने में सक्षम हो सकते हैं। साथ ही ठोस निष्कर्षों के आधार पर पाकिस्तान पर दबाव बना सकता है कि वह अपनी जमीन आतंकवादियों को पालने-पोसने में इस्तेमाल न होने दे। इसके अलावा आतंकी संगठनों पर पर्याप्त दबाव बनाए, ताकि फिर मानवता के खिलाफ मुबई हमले जैसे घटनाक्रम न दोहराए जा सकें। बहरहाल, तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण पाकिस्तान तथा दूसरे देशों में भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे लोगों व संगठनों के लिये साफ संदेश गया है कि इंसानियत के दुश्मन दुनिया के किसी भी कोने में कानून की ओट में बच नहीं सकते। साथ ही पाकिस्तान को आईना दिखा दिया गया है जो तहव्वुर राणा को कनाडा का नागरिक बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा था। निश्चित रूप से इस सफलता में भारत के राजनीतिक व कूटनीतिक प्रयासों की भी बड़ी भूमिका रही है। भारतीय अधिकारियों ने इस दिन के लिये कड़ी मेहनत की। हालांकि, अभी इस रहस्य से पर्दा उठना बाकी है कि अमेरिका ने क्यों अपने नागरिक डेविड कोलमैन हेडली को भारत को सौंपने से परहेज किया। जबकि उसने इस बड़े अपराध में बड़ी भूमिका निभाई थी। हेडली व राणा आतंकी हमले को अंजाम देने वाले आतंकी संगठनों व पाक खुफिया एजेंसियों के संपर्क में लगातार बने रहे थे। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए की तहव्वुर राणा से कड़ी पूछताछ के बाद भारतीय एजेंसियां मुंबई हमले में इस्लामाबाद की भूमिका, पाक सत्ता प्रतिष्ठानों की करतूतों,आईएसआई के नेटवर्क व आतंकी संगठनों को दी जाने वाली आर्थिक मदद की हकीकत देश-दुनिया के सामने ला सकेंगी।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि (चलते-चलते) वे गोमती के किनारे जा पहुँचे। हर्षित होकर उन्होंने निर्मल जल में स्नान किया। उनको धर्मधुरंधर राजर्षि जानकर सिद्ध और ज्ञानी मुनि उनसे मिलने आए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जहँ जहँ तीरथ रहे सुहाए। मुनिन्ह सकल सादर करवाए॥
कृस सरीर मुनिपट परिधाना। सत समाज नित सुनहिं पुराना॥

जहाँ-जहाँ सुंदर तीर्थ थे, मुनियों ने आदरपूर्वक सभी तीर्थ उनको करा दिए। उनका शरीर दुर्बल हो गया था। वे मुनियों के से (वल्कल) वस्त्र धारण करते थे और संतों के समाज में नित्य पुराण सुनते थे॥

दो0-द्वादस अच्छर मंत्र पुनि जपहिं सहित अनुराग।
बासुदेव पद पंकरुह दंपति मन अति लाग॥

और द्वादशाक्षर मन्त्र (ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय) का प्रेम सहित जप करते थे। भगवान वासुदेव के चरणकमलों में उन राजा-रानी का मन बहुत ही लग गया॥

करहिं अहार साक फल कंदा। सुमिरहिं ब्रह्म सच्चिदानंदा॥
पुनि हरि हेतु करन तप लागे। बारि अधार मूल फल त्यागे॥

वे साग, फल और कन्द का आहार करते थे और सच्चिदानंद ब्रह्म का स्मरण करते थे। फिर वे श्री हरि के लिए तप करने लगे और मूल-फल को त्यागकर केवल जल के आधार पर रहने लगे॥

(क्रमशः....)

वर्तमान वैश्विक पटल पर भारत के लिए आपदा में अवसर हैं

अमेरिका ने अन्य देशों से अमेरिका में होने वाली आयातित उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर विश्व के लगभग समस्त देशों के विरुद्ध एक तरह से व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। इससे यह आभास हो रहा है आगे आने वाले समय में विभिन्न देशों के बीच सापेक्ष युद्ध न होकर व्यापार युद्ध होने लगेगा। चीन से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर तो अमेरिका ने 145 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। एक तरह से अमेरिका की ओर से चीन को यह खुली चुनौती है कि अब अपने उत्पादों को अमेरिका में निर्यात कर के बताए। 145 प्रतिशत के आयात कर पर कौन सा देश अमेरिका को अपने उत्पादों का निर्यात कर पाएगा, यह लगभग असम्भव है। इससे चीन की अर्थव्यस्था छिन्न भिन्न हो सकती है, यदि चीन, अमेरिका के स्थान पर विश्व के अन्य देशों को अपने उत्पादों का निर्यात नहीं बढ़ा पाया। बगैर प्रत्यक्ष युद्ध किए, अमेरिका ने चीन पर एक तरह से विजय ही प्राप्त कर ली है और चीन की अर्थव्यवस्था को भारी नुक्सान करने के रास्ते खोल दिए हैं, हालांकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी। परंतु, ट्रम्प प्रशासन ने विश्व के 75 देशों पर लागू किए गए टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। इससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर अन्यथा होने वाले विपरीत प्रभाव को बहुत बड़ी हद तक कम कर लिए गया है। अमेरिका संभवत चाहता है कि आर्थिक मोर्चे पर चीन पर इतना दबाव बढ़ाया जाए कि चीन की जनता चीन के वर्तमान सत्ताधरियों के विरुद्ध उठ खड़ी हो और चीन एक तरह से टूट जाए। अमेरिका ने लगभग इसी प्रकार का दबाव बनाकर सोवियत रूस को भी तोड़ दिया था।

कुल मिलाकर पूरे विश्व में विभिन्न देशों के बीच अब नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। यूरोपीयन यूनियन के समस्त सदस्य देश आपस में मिलकर अब अपनी सुरक्षा स्वयं करना चाहते हैं। अभी तक ये देश अमेरिका के सखा देश होने के चलते अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहते थे। परंतु, वैश्विक स्तर पर बदली हुई परिस्थितियों के बीच इन देशों का अमेरिका पर विश्वास कम हुआ है एवं यह देश आपस में मिलकर अपनी स्वयं की सुरक्षा व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। आगे आने वाले समय में यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश अपने सुरक्षा बजट में भारी भरकम वृद्धि कर सकते हैं। यहां, भारत के लिए अवसर निर्मित हो सकते हैं क्योंकि भारत में हाल ही के समय में सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादों की नई एवं भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता निर्मित हुई है। भारत आज सुरक्षा के क्षेत्र में तेजी से न केवल आत्म निर्भर हो रहा है बल्कि भारी मात्रा में उत्पादों का निर्यात भी करने लगा है। आज सिंगापुर जैसे विकसित देश भी भारत से सुरक्षा उत्पाद खरीदने हेतु करार करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यदि यूरोपीयन देशों के साथ भारत की पटरी ठीक बैठ जाती है तो सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं मौजूद है। भारत, यूरोपीयन देशों के साथ सामूहिक तौर पर द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने के प्रयास भी कर रहा है।

इसी प्रकार, आगे आने वाले समय में यदि चीन के निर्यात अमेरिका को कम होते हैं तो चीन से विनिर्माण इकाईयों का पलायन तेजी से प्रारम्भ होगा। संभवत इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र, टेक्स्टायल क्षेत्र, फार्मा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, प्रेशस मेटल के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही है, क्योंकि, उक्त समस्त क्षेत्रों से चीन, अमेरिका को भारी मात्रा में निर्यात करता है। अब 145 प्रतिशत के टैरिफ की दर पर चीन में निर्मित उत्पाद अमेरिका में नहीं बिक पाएंगे। अत: भारत के लिए इन समस्त क्षेत्रों में अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही हैं। टेक्स्टायल के क्षेत्र में तो वर्तमान में भारत के पास बहुत भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता भी उपलब्ध है। टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत के पड़ौसी देश ही अधिक प्रतिस्पर्धी बने हुए हैं, जैसे बंगलादेश, पाकिस्तान, चीन, वियतनाम आदि। इस समस्त देशों पर अमेरिका द्वारा लगाई गई टैरिफ की दर, भारत की तुलना में कहीं अधिक है। अत: टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत में निर्मित विभिन्न उत्पाद तुलनात्मक रूप से अधिक प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। इसका सीधा सीधा लाभ भारतीय टेक्स्टायल उद्योग द्वारा उठाया जा सकता है। इसी प्रकार, मोबाइल फोन का उत्पादन करने वाली विश्व की सबसे बड़ी कम्पनियों में से सैमसंग एवं ऐपल नामक कम्पनियां भारत में अपनी उत्पादन क्षमता में भारी भरकम वृद्धि करने के बारे में विचार कर रही हैं। वर्ष 2024 में भारत से 2040 करोड़ अमेरिकी डॉलर के मोबाइल फोन का निर्यात विभिन्न देशों को हुआ हैं, यह वर्ष 2023 में हुए निर्यात की राशि से 44 प्रतिशत अधिक है। और, मोबाइल फोन के निर्यात में हुई इस भारी भरकम वृद्धि में ऐपल एवं सैमसंग कम्पनियों का योगदान सबसे अधिक रहा है। केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई उत्पादन प्रोत्साहन योजना का लाभ भी भारत में मोबाइल निर्माता कम्पनियों ने भारी मात्रा में उठाया है। भारत आज स्मार्ट मोबाइल के उत्पादन के क्षेत्र में पूरे विश्व में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यदि वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां इसी प्रकार बनी रहती हैं तो शीघ्र ही भारत मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ जाएगा।

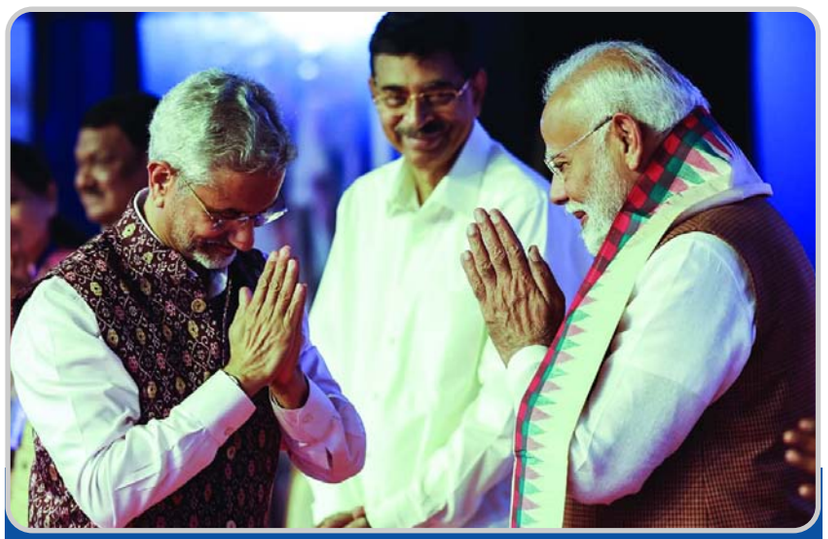

कुल मिलाकर पूरे विश्व में विभिन्न देशों के बीच अब नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। यूरोपीयन यूनियन के समस्त सदस्य देश आपस में मिलकर अब अपनी सुरक्षा स्वयं करना चाहते हैं। अभी तक ये देश अमेरिका के सखा देश होने के चलते अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहते थे।

अन्य क्षेत्रों में उत्पादन करने वाली बहुराष्ट्रीय बड़ी बड़ी कम्पनियां भी अपनी विनिर्माण इकाईयों को चीन से स्थानांतरित कर भारत में स्थापित कर सकती हैं। कोविड महामारी के खंडकाल के समय भी यह उम्मीद की जा रही थी और चीन+1 नीति का अनुपालन करने के सम्बंध में कई कम्पनियों ने घोषणा की थी परंतु उस समय पर कई कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों को ताईवान, वियतनाम, एवं थाईलैंड, आदि जैसे छोटे छोटे देशों में ले गईं थी और इसका लाभ भारत को बहुत कम मिला था। परंतु, आज परिस्थितियां बहुत बदली हुई हैं। छोटे छोटे देशों में बहुत भारी मात्रा में उत्पादन करने वाली विनिर्माण इकाईयां स्थापित करने की बहुत सीमाएं हैं। इन देशों में श्रमबल की उपलब्धता सीमित मात्रा में है। जबकि भारत में इस दौरान आधारिक संरचना एवं मूलभूत सुविधाओं में अतुलनीय सुधार हुआ है और भारत में श्रमबल भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

आज जापान, इजराईल, ताईवान, रूस, जर्मनी, फ्रान्स, आस्ट्रेलिया आदि विकसित देश श्रमबल की कमी से जूझ रहे हैं। कई विकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि दर लगभग शून्य के स्तर पर आ गई है। बल्कि, कुछ देशों में तो जनसंख्या में कमी होती हुई दिखाई दे रही है। दूसरे, इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ती जा रही है और इन प्रौढ़ नागरिकों की देखभाल के लिए भी युवा नागरिकों की आवश्यकता है। अब कुछ देशों जैसे जापान, इजराईल, ताईवान आदि ने भारत सरकार से भारतीय नागरिकों के इन देशों में बसाने के बारे में विचार करने को कहा है। इजराईल सरकार ने लगभग 1 लाख भारतीयों की मांग भारत सरकार से की है, जापान सरकार ने भी लगभग 2 लाख भारतीयों की मांग की है एवं ताईवान सरकार ने भी लगभग 1 लाख भारतीयों की मांग की है। भारत आज विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे युवा देश है। अत: भारत आज इस स्थिति में है कि अपने नागरिकों को इन देशों में बसाने के लिए भेज सके। वैसे भी विश्व के कई देशों में आज लगभग 4 करोड़ भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं इन देशों की अर्थव्यवथा में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मजबूत भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। भारतीय नागरिक वैसे भी हिंदू सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हैं एवं इन देशों में शांतिपूर्ण तरीके से जीवन यापन करते हैं। इतिहास गवाह है कि भारत ने कभी भी किसी भी देश पर अपनी ओर से आक्रमण नहीं किया है। भारतीय नागरिक वसुधैव कुटुम्बकम की भावना में विश्वास रखते हैं अत: किसी भी देश में वहां के स्थानीय नागरिकों के साथ तुरंत घुलमिल जाते हैं। अत: भारत के लिए विभिन्न देशों को श्रमबल उपलब्ध कराने के क्षेत्र में भी अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही है।

कुल मिलाकर भारत सरकार ने भी विभिन्न देशों के साथ अपने द्विपक्षीय व्यापार समझौतों को शीघ्रता के साथ अंतिम रूप देना प्रारम्भ कर दिया है क्योंकि आगे आने वाले समय में विश्व व्यापार संगठन की उपयोगिता लगभग समाप्त हो जाएगी और आगे आने वाले समय में विदेशी व्यापार के क्षेत्र में दो देशों के बीच आपस में किए गए द्विपक्षीय व्यापार समझौते ही अपनी विशेष भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। अत: भारत सरकार को इन देशों से होने वाले द्विपक्षीय समझौतों में भारत के हितों की रक्षा करने पर विशेष ध्यान देना होगा। बहुत सम्भव है कि भारत का अमेरिका के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौता आगामी 6 माह के अंदर सम्पन्न हो जाए और फिर भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात के लिए एक नया रास्ता खुल जाए।

-प्रहलाद सबनानी

ज़िंदगी जीने वाले (व्यंग्य)

जिस तरह प्यार करने की अदाएं निराली होती हैं उसी तरह देश से प्यार करने के अंदाज़ भी अलग अलग होते हैं। देखने में आता रहता है, कुछ लोग प्यार तो दिल की गहराइयों से करते हैं लेकिन गालियों, हाथों, टांगों और डंडों का इस्तेमाल भी करते हैं। सार्वजनिक संपदा को तोड़ फोड़ कर, आग लगाकर प्रमाण देते हैं कि हमने देश से कितना प्यार किया। उनकी ऐसी हरकतों से दूसरे भी प्रेरित होते हैं।

लोग अब समझने लगे हैं कि ज़िंदगी एक बार ही मिली है। इस सन्दर्भ में फ़िल्में भी खूब प्रेरित करती हैं। 'ज़िंदगी न मिलेगी दोबारा' सिर्फ एक फिल्म ही नहीं थी उसमें वास्तव में सिर्फ एक बार मिली ज़िंदगी को खुलकर जीने के लिए प्रेरित किया गया था। अपनी छूटती, अधूरी, छोटी छोटी तमन्नाएं पूरी करने को कहा गया था। शायद तभी ज्यादातर लोग मनपसंद खाकर, तनपसंद पहनकर उपदेशयुग में मस्त रहने में व्यस्त हो गए हैं।

ज़िंदगी को जीने वाले अपनी पसंद को सबसे ऊपर रखते हैं। वे मानते हैं कि विदेशी टूथपेस्ट ज़्यादा बढ़िया दांत साफ़ करता है। दूर देश से सलीके से मंगवाई खुशबूएं उन्हें दीवाना बनाकर रखती हैं। बाज़ार उनके लिए ही तो अन्तर्राष्ट्रीय डिज़ाइनर्स के वस्त्र, जूते और खाना लाया है तो क्यूं न प्रयोग करेंगे और खाएंगे। हमारी तो जीभपसंद कॉफ़ी पर भी ख़ास ब्रांड की मुहर है। दुनिया भर में बनी जीन्स में हमने अपना जिस्म पहना दिया है। कोई माने या माने, सच्चा देश प्रेम भी इसमें समाहित है।

हमारा मनोरंजन तकनीक से हाथ मिलाकर आर्थिक खेती कर रहा है। वह अलग बात है कि हमारी कला साहित्य और संस्कृति के किस्से कहानियां, प्रयासों की जंग लगी जंजीरों की जेल में कैद हैं। जिसके सामने चौड़ी सड़क पर, विदेशी कम्पनियों की छत में से नीला आसमान ढूंढते, किसी ख़ास देश का चश्मा पहने, उत्कृष्ट स्वादिष्ट सेब जैसे फोन थामे, पर्यावरण प्रेमी निकलते रहते हैं। यह लोग कभी कभार, अंग्रेज़ी माध्यम में पढ़ रहे बच्चों को लेकर, आर्गेनिक शैली में बनाए भारतीय गांव में ज़रूर जाते हैं ताकि अपने देश की आंचलिक और ग्रामीण संस्कृति से उनका लगाव चिपका रहे।

लोग अब समझने लगे हैं कि ज़िंदगी एक बार ही मिली है। इस सन्दर्भ में फ़िल्में भी खूब प्रेरित करती हैं। 'ज़िंदगी न मिलेगी दोबारा' सिर्फ एक फिल्म ही नहीं थी उसमें वास्तव में सिर्फ एक बार मिली ज़िंदगी को खुलकर जीने के लिए प्रेरित किया गया था।

समझदार लोग मानते हैं कि शाकाहारी और मांसाहारी स्वाद की सीमित बातें ज़रूर करनी चाहिएं। एक बार मिली ज़िंदगी में आराम देती शानदार मय पी सकते हैं। सप्ताह में एक दिन न भी पी तो क्या फर्क पड़ता है। मांस खाएं या न खाएं, तमाम तरह की हेराफेरियां, गुस्ताखियां और बदमाशियां कर मनपसंद पूजास्थल जाकर, भेंट अर्पित कर भविष्य अच्छा भविष्य गुज़ारने की अनुमति प्राप्त कर सकते हैं। यह प्रक्रिया दोहराई जा सकती है।

कुल मिलाकर ज़िंदगी जीने वाले, अपने क्रियाकलापों का प्रबंधन सोच समझकर करते हैं और जो ऐसा कर पाते हैं वही फालतू के पचड़ों में न पड़कर ज़िंदगी जी लेते हैं।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

चैत्र शुक्ल पक्ष पूर्णिमा | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भावनाओं पर थोड़ा काबू रखें। प्रेम, संतान की स्थिति थोड़ी मध्यम रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
ग्रह कलह के संकेत हैं लेकिन भौतिक सुख सम्पदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान भी प्रभावित दिख रहा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी। व्यापार अच्छा लेकिन निवेश अभी न करें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
ओजस्वी तेजस्वी बने रहेंगे। सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मन चिंतित रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान ठीक-ठाक।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
कोर्ट कचहरी में जीत होगी। व्यापारिक विस्तार होगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगा। स्वास्थ्य पहले से अच्छी स्थिति में। प्रेम, संतान भी अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान थोड़ा मध्यम है। व्यापारिक दृष्टिकोण से पहले से बेहतर समय है

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। प्रेम, संतान मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति पहले से बेहतर होगी।

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान ने किया भव्य कलश यात्रा का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान, जोकि दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी के दिव्य मार्गदर्शन में कार्यरत एक अंतरराष्ट्रीय सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्था है, द्वारा श्रीमद् भागवत कथा के भव्य आयोजन से पूर्व 12 अप्रैल को एक विशाल कलश यात्रा का आयोजन किया गया।

यह कलश यात्रा रामलीला ग्राउंड, सेक्टर पाई, ऐच्छर से प्रारंभ होकर अम्बे भारती सोसायटी, एल्डीको मीडोज़ ग्रीन सोसायटी एवं ढ्ढञ्जक्र पुलिस सोसायटी से होते हुए पुनः कथा स्थल पर सम्पन्न हुई। इस शुभ अवसर पर संस्थान की 'संरक्षण' नामक पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन प्रकल्प के अंतर्गत युवा बहनों ने एक रैली निकाल कर जनमानस को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया।

इस अद्वितीय यात्रा में लगभग 950 महिलाओं एवं बहनों ने भाग लिया, जो सामाजिक सहभागिता और आध्यात्मिक उत्साह का प्रतीक बनी। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे, जिनमें अभिषेक शर्मा (जिला अध्यक्ष, भाजपा), श्री विकास जैन (प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मण्डल), महेश शर्मा (मंडल अध्यक्ष), जी पी गोस्वामी (असिस्टेंट कमिश्नर, इंडस्ट्रीज), रजनी तोमर (महिला मोर्चा अध्यक्ष), अजीत मुखिया (जिला संयोजक), शेखर (प्रधान, ऐच्छर), देवेन्द्र नागर (अध्यक्ष, एल्डिको मिडोज़ ग्रीन), राजू भाटी (जिला महामंत्री, ऐच्छर), चैनपाल (प्रधान, बिरोंडा), रवि जिंदल (भाजपा नेता), सुरेंद्र सिंह तोमर (समाजसेवी) व सौरव एवं गौरव अग्रवाल (के मंगल सोल्यूशंस प्रा. लि.) प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 13 अप्रैल से 19 अप्रैल 2025 तक रामलीला ग्राउंड, सेक्टर पाई, ऐच्छर, ग्रेटर नोएडा में संपन्न होगा। कथा का यह आयोजन शास्त्रों में वर्णित आध्यात्मिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार हेतु एक प्रेरणादायी पहल है। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान न केवल आध्यात्मिक चेतना का प्रचार करता है, बल्कि समाज सेवा में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसके प्रमुख प्रकल्पों में मंथन (अभावग्रस्त बच्चों हेतु शिक्षा), अंतर्दृष्टि (दृष्टिबाधितों के लिए), आरोग्य (स्वास्थ्य सेवा), बोध (नशा उन्मूलन), कामधेनु (गौ संरक्षण), संरक्षण (पर्यावरण संरक्षण), संतुलन (लिंग समानता) तथा दिव्य ज्योति वेद मंदिर आदि प्रमुख हैं।

श्री सनातन धर्म मंदिर, नोएडा में हनुमान जयंती पर भक्ति भाव से भरा आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर श्री सनातन धर्म मंदिर समिति, नोएडा द्वारा भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुंदरकांड पाठ से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर परिसर 'जय श्री राम' और 'संकट मोचन हनुमान' के जयकारों से गुंजायमान रहा। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय संगीत और सामूहिक पाठ ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। मंदिर को आकर्षक फूलों और दीपों से सजाया गया था, जिससे श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो उठे। समिति द्वारा उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था भी की गई। यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का संगम बन गया, जिसमें नोएडा और आसपास से आए श्रद्धालुओं ने हनुमान जी की कृपा का अनुभव किया।

राजधानी में जल्द खुलेगी पहली अधिकृत वाहन स्क्रैपिंग यूनिट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में उम्र पूरी कर चुके वाहनों को स्क्रैप करने के लिए पहली अधिकृत वाहन स्क्रैपिंग यूनिट मिलेगी। मौजूदा समय में दिल्ली में एक भी स्क्रैपिंग यूनिट नहीं है। वाहन को स्क्रैप करने के लिए लोगों को यूपी और हरियाणा पर निर्भर रहना पड़ता है। दिल्ली परिवहन विभाग की ओर से एक अप्रैल को दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के मोहन कोऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट को स्क्रैपिंग यूनिट बनाने की मंजूरी दी है। इस यूनिट का संचालन एक निजी एजेंसी करेगी। मार्च 2035 तक इसी यूनिट में वाहन स्क्रैप होंगे।

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दिल्लीवासियों को पुराने पेट्रोल और डीजल वाहनों को स्क्रैप करने के लिए अब हरियाणा या उत्तर प्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। पहले दिल्ली में स्क्रैपिंग यूनिट या स्क्रैप यार्ड स्थापित करने की अनुमति नहीं थी, क्योंकि इससे पर्यावरण प्रदूषण की आशंका थी।

बीते साल दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने वैज्ञानिक तरीकों से वाहनों को स्क्रैप करने की अनुमति दी और इसे ऑरेंज श्रेणी की इंडस्ट्री में शामिल कर दिया। ऑरेंज श्रेणी में वे उद्योग आते हैं, जो मध्यम स्तर का प्रदूषण फैलाते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य अवैध स्क्रैप यार्ड को रोकना और पर्यावरण प्रदूषण को कम करना है। अधिकृत स्क्रैप यार्ड होने से लोगों को परेशानी मुक्त सेवा मिलेगी।

अधिकारियों ने बताया कि निजी एजेंसी को हल्के और अन्य मालवाहक वाहनों सहित विभिन्न श्रेणियों के वाहनों को स्क्रैप करने का लाइसेंस दिया गया है। यह यूनिट प्रतिवर्ष 70,000 वाहनों को स्क्रैप करेगी। राजधानी में 15 साल पुराने पेट्रोल वाहन और 10 साल पुराने डीजल वाहनों को सड़कों पर चलाने की अनुमति नहीं है।

वहीं, 2024 तक दिल्ली परिवहन विभाग ने लगभग 59 लाख वाहनों का पंजीकरण रद्द किया है, जिनमें 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहन और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहन शामिल हैं। इसमें 2021 तक रद्द किए गए 54 लाख वाहनों का पंजीकरण रद्द किया गया, जबकि 2024 में 5 लाख वाहनों का पंजीकरण रद्द किया गया। उम्र पूरी कर चुके वाहनों का पंजीकरण रद्द करने प्रक्रिया लगातार जारी है। जैसे वाहनों की उम्र पूरी हो रही है। वैसे-वैसे उनका पंजीकरण रद्द किया जा रहा है।

परिवहन विभाग ने मार्च 2023 से सितंबर 2023 तक और अक्तूबर 2024 से फरवरी 2025 तक चले अभियान में 28,049 पुराने वाहनों को जब्त किया है। दिल्ली में स्क्रैपिंग यूनिट के शुरू होने से वाहन मालिकों को अपने वाहनों को स्क्रैप करने में आसानी होगी और दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण में भी मदद मिलेगी।

यह कदम न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा प्रयास है, बल्कि दिल्ली को स्वच्छ और हरित शहर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। बता दें कि दिल्ली दिल्ली परिवहन विभाग में वर्तमान में 12 पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधाएं पंजीकृत हैं, लेकिन यह दिल्ली से बाहर गाजियाबाद, मेरठ और सोनीपत में हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक, यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **ई-निविदा सूचना सं0 एवं निविदा कार्य का विवरणः** टेण्डर नं.-"29-जीकेपी-एमडब्लूएस-2024-25-1" "इंटीरियर एण्ड एक्सटीरिअर कोच पेंटिंग विथ लेटरिंग, अन्डरफ्रेम स्क्रैपिंग, क्लीनिंग एण्ड पेंटिंग एलॉन्ग विथ कम्पलीट क्लीनिंग ऑफ मेमू कोचेज इन मेकेनिकल वर्कशाप, गोरखपुर", **अनुमानित लागत (₹में):** ₹ 38,21,702.68, **धरोहर राशि (₹ में):** ₹ 76,400.00, **निविदा समापन की तिथि एवं अवधिः** 05.05.2025, 11.00 बजे, **निविदा प्रपत्र का मूल्यः** शून्य, **संविदा की अवधिः** 08 माह, **नोटः** उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या http://www. ireps.gov.in पर देखें।
उपमुयाँइ/कार्य, यांत्रिक कारखाना गोरखपुर
मुजाधि/यांत्रिक-08
"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

पूर्वोत्तर रेलवे
निविदा सूचना
ई-निविदा सूचना संख्या-याँ/246/1/15/25-26/ओ०टी०-02
मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा पत्र में अंकित योग्यता मापदंडो के अनुसार ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। **क्रम सं.-1, कार्य का संक्षिप्त विवरण :** यांत्रिक कारखाना, इज़्ज़तनगर में 4008 अदद बोगी फ्रेम और उनके घटकों 4008 अदद बीजी आईसीएफ/ एसपीएआरटी/ डीईए मयू टीसी/डीईएमयू डीपीसी बोगियों, 180 अदद एमजी बोगियों और 1392 अदद फिएट बोगियों के ग्रिट ब्लास्टिंग और प्राइमर का कार्य (स्कोप ऑफ़ वर्क के अनुसार) 02 वर्ष की अवधि के लिए।, अनुमानित मूल्य (रु० में): रु. 32616220.08 (तीन करोड़ छब्बीस लाख सोलह हजार दो सौ बीस रुपये एवं आठ पैसा मात्र), जमानत राशि (रु० में) : रू. 313100.00 (तीन लाख तेरह हजार एक सौ रूपये मात्र), निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू०) : शून्य, कार्य अवधि: 02 वर्ष, निविदा खुलने की तिथि व समय : 05.05.2025 को 15:30 बजे। **नोटः 1.** उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 12.04.2025 को समय 17:00 बजे से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर खुलने की तिथि 05.05.2025 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। **2.** उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वो अपने आपको IT Act 2000 के अंतर्गत CA द्वारा जारी क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS वेबसाइट पर पंजीकृत कराएं। **3.** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **4.** ई-निविदा हेतु धरोहर राशि ई-भुगतान नेट बैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी।
उप मुयांइ/उत्पादन/यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर
मुजाधि/यॉत्रिक - 09
गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

चाइल्ड पीजीआई के स्थापना दिवस पर डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी सम्मानित

नोएडा(चेतना मंच)। बाल चिकित्सालय एवं स्नातकोत्तर संस्थान के स्थापना दिवस पर शनिवार को बेहतर काम करने वाले डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश चिकित्सा शिक्षा की स्वास्थ्य सचिव अपर्णा यू और विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं शोध संस्थान की निदेशक डॉ. शालिनी सिंह मौजूद रहीं। श्रेष्ठ पीजी छात्र का खिताब डॉ. शिवांगी आर जायसवाल को दिया गया। श्रेष्ठ नर्सिंग आफिसर के अवार्ड से सुनीता कुमारी को नवाजा गया। श्रेष्ठ शिक्षक का अवार्ड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन के डॉ. सत्यम अरोड़ा को मिला। इनके अलावा रितेश कपूर, चारू जैन, दुर्गपाल, प्रताप चंदनानी को सम्मानित किया गया। क्रिकेट मैच के लिए डॉ.अभिषेक गुप्ता, डॉ. अनुज सिंह और डॉ. आकाश राज्य को अलग-अलग ट्रॉफी दी गई। इस मौके पर चाइल्ड पीजीआई के निदेशक डॉ. एके सिंह, जिम्स के निदेशक ब्रिगेडियर (डॉ.) राकेश गुप्ता, एलएलआरएम मेरठ के प्रिंसिपल डॉ. आरसी गुप्ता, प्रो. मनीषा जिंदल, डीन डॉ. डीके सिंह, डॉ. ज्योत्सना मदान आदि मौजूद रहे।

सेक्टर-19 में जल संकट से लोग परेशान

नोएडा। सेक्टर-19 में पिछले दो दिनों से पानी का संकट बना हुआ है। पानी की पाइप लाइन टूटने की वजह से सेक्टर में जल संकट बना हुआ है। आरडब्ल्यूए द्वारा प्राधिकरण के जली विभाग में शिकायत करने के बाद भी सुनवाई नहीं हो रही है। लोगों को बाजार से बोतल बंद पानी लाना पड़ रहा है। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष आरसी गुप्ता ने बताया कि नाले के निर्माण के कार्य के चलते प्राधिकरण ठेकेदार ने लापरवाही से कार्य करते हुए पानी की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त कर दी। प्राधिकरण के जल विभाग से शुक्रवार से ही शिकायत कर दी है। पंरतु अभी तक स्थाई समाधान नहीं हो पाया है। लोगों को बाजार से बोतलबंद पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं महासचिव लक्ष्मी नारायण ने बताया कि गर्मी की दस्तक के साथ ही लोगों को पानी सकंट झेलना पड़ रहा है। आरडब्ल्यूए किसी विकास कार्य के विरोध में नहीं है। पंरतु विकास कार्य के चलते पानी जैसा किल्लत भी नहीं होनी चाहिए। सेक्टर में सप्लाई होने वाली पानी की लाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो चुकी है। ऐसे में दो दिनों से सेक्टर में जल संकट बना हुआ है।

जेएनयू छात्र संघ चुनाव का बिगुल बजा

25 अप्रैल को मतदान, 28 को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्र संघ चुनाव को लेकर बिगुल बज गया है। जेएनयू छात्र संघ चुनाव समिति 2024-25 ने चुनाव को लेकर कार्यक्रम जारी कर दिया है। छात्र संघ चुनाव 25 अप्रैल को होगा। चुनाव के परिणाम 28 अप्रैल को घोषित किए जाएंगे। चुनाव की घोषणा होने के साथ आचार-संहिता लागू हो गई है। साथ ही छात्र संगठनों ने भी चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है।

चुनाव को लेकर मुख्य तारीख

- 15 अप्रैल से कर सकेंगे नामांकन
- 16 अप्रैल को नामांकन ले सकेंगे वापस
- 23 अप्रैल को प्रेजिडेंशियल डिबेट
- 25 अप्रैल को होगा मतदान
- 28 अप्रैल को चुनाव परिणाम होगा घोषित।

चुनाव समिति के अनुसार, 13 अप्रैल को संभावित मतदाताओं की सूची प्रदर्शित की जाएगी। 14 अप्रैल को सुबह नौ बजे से लेकर शाम पांच बजे तक मतदाता सूची में सुधार करवा सकेंगे। इसी दिन दोपहर दो बजे से लेकर शाम पांच बजे तक के बीच नामांकन फॉर्म जारी किए जाएंगे। 15 अप्रैल से चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके तहत 15 अप्रैल को सुबह साढ़े नौ बजे से लेकर शाम पांच बजे तक के बीच नामांकन भर सकेंगे। 16 अप्रैल को सुबह दस बजे वैध नामांकन करने वालों की सूची जारी की जाएगी। इसी दिन दोपहर दो बजे तक नामांकन वापस ले सकेंगे। दोपहर तीन बजे अंतिम उम्मीदवारों की सूची जारी होगी।

चुनाव के संबंध में 17 अप्रैल और 21 अप्रैल को स्कूल जनरल बॉडी मीटिंग का आयोजन किया जाएगा, जबकि 22 अप्रैल को यूनिवर्सिटी जनरल बॉडी मीटिंग आयोजित होगी। 23 अप्रैल को रात आठ बजे से प्रेजिडेंशियल डिबेट शुरू होगी। 24 अप्रैल को कोई चुनाव प्रचार नहीं होगा। 25 अप्रैल को सुबह नौ बजे से लेकर दोपहर एक बजे तक और दोपहर ढाई बजे से लेकर शाम साढ़े पांच बजे तक की अवधि के बीच में मतदान होगा।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

मारुति सुजुकी की गाड़ियों के 62,000 तक बढे भाव

मुंबई। देश की सबसे बड़ी कार निमार्ता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने घोषणा की कि वह 8 अप्रैल से अपनी विभिन्न कारों की कीमतों में 2,500 से 62,000 रुपए तक बढ़ाएगी। कंपनी ने बताया कि यह बढ़ोतरी बढ़ती इनपुट लागत, संचालन खर्च, नियामक बदलाव और फीचर्स के अपग्रेड के कारण की जा रही है। हालांकि, कंपनी लागत को कम करने और ग्राहकों पर कम असर डालने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन बढ़ती लागत का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डालना आवश्यक हो गया है। इन वाहनों के बढ़ सकते हैं भाव- कॉम्पैक्ट एसयूवी फ्रॉक्स की कीमत में 2,500 की बढ़ोतरी, डिजायर टूर एस की कीमत 3,000 बढ़ेगी। एमपीवी एक्सएल6 और एर्टिगा की कीमत 12,500 बढ़ेगी। वेगन आर की कीमत 14,000, ईको वैन की कीमत में 22,500 का इजाफा और एसयूवी ग्रैंडविटारा की कीमत 62,000 तक बढ़ेगी।

आरईए इंडिया के सीईओ ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्लासीफाइड प्लेटफॉर्म हाउसिंग डॉट कॉम की मूल कंपनी आरईए इंडिया के सीईओ ध्रुव अग्रवाल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। गुरुवार को एक बयान में ऑस्ट्रेलिया के आरईए ग्रुप ने कहा कि ध्रुव ने 14 साल तक कारोबार में रहने के बाद आरईए के सीईओ पद से हटने का फैसला किया है। ध्रुव अग्रवाल अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति में सहयोग करेंगे। वे जाने से पहले एक सहज नेतृत्व परिवर्तन सुनिश्चित करने में कंपनी की हरसंभव सहायता करेंगे। नए सीईओ की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया चल रही है। आरईए इंडिया के पास रियल एस्टेट प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म हाउसिंग डॉट कॉम और प्रॉपटाइगर डॉट कॉम का स्वामित्व है। ध्रुव ने 2011 में प्रॉपटाइगर की सह-स्थापना की थी। इससे पहले 2017 में इसके शुरूआती निवेश के बाद 2020 में आरईए ग्रुप ने इसमें नियंत्रण हासिल कर लिया था। उन्होंने हाउसिंग डॉट कॉम के सफल अधिग्रहण का नेतृत्व किया और इस प्लेटफॉर्म के एकीकरण में केंद्रीय भूमिका निभाई।

ट्रंप के टैरिफ से और महंगा होगा सोना

नई दिल्ली। अमेरिकी टैरिफ की वजह से जहां दुनियाभर के शेयर बाजार और कंपनियों में मायूसी है। वहीं सराफा बाजार में रौनक है, क्योंकि ग्लोबल ट्रेड वॉर गहराने की आशंका से सुरक्षित निवेश के नजरिये से सोने की कीमतें उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार टैरिफ की घोषणा के बाद सोने की कीमतों में बढ़त दर्ज की गई। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं सोना एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को छू सकता है। दरअसल, बैंक ऑफ अमेरिका ने गोल्ड पर अपना टारगेट प्राइस बढ़ा दिया है। वहीं कई विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें आने वाले कुछ महीनों में 3500 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है। अगर वैश्विक विशेषज्ञों की मानें तो भारतीय बाजार में सोने का भाव 99000 से 99500 के स्तर तक जा सकता है।

भारत में 730एमएएच बैटरी वाले दो स्मार्टफोन होंगे लॉन्च

नई दिल्ली। पहली बार भारत में 730एमएएच बैटरी वाले दो स्मार्टफोन लॉन्च किए जाएंगे, जिससे यूजर्स को जबरदस्त बैटरी बैकअप मिलेगा। सैमसंग का गैलेक्सी एस25 एज इस साल का बहुप्रतीक्षित फ्लैगशिप फोन माना जा रहा है। अप्रैल 2025 में भारतीय स्मार्टफोन बाजार में कई नए डिवाइस दस्तक देने के लिए तैयार हैं। इस महीने सैमसंग, मोटोरोला, वीवो,आईक्यू, पोको और रियलमी जैसे ब्रांड्स अपने नए स्मार्टफोन पेश करने जा रहे हैं। इसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट प्रोसेसर, 2के डिस्प्ले, 200एमपी कैमरा और टाइटेनियम फ्रेम मिलेगा। वहीं, मोटोरोला एग्ज 60 फुजन मीडियाटेक डायमेंसिटी 7400 प्रोसेसर, 4500नीटस ब्राइटनेस वाली कर्व्ड ओलेड डिस्प्ले और 50एमपी ट्रिपल कैमरा सेटअप के साथ आएगा। वीवो टी 4 5जी और आईक्यू झेड10 स्मार्टफोन अपनी 7300एमएएच बैटरी और 90वॉट फास्ट चार्जिंग के चलते सुर्खियों में हैं।

ट्रंप के टैरिफ के प्रभाव का अध्ययन करेगा भारत : वित्त राज्य मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारत पारस्परिक टैरिफ वृद्धि और देश पर इसके प्रभाव का आकलन कर रहा है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा आईआईएम, अहमदाबाद के सहयोग से आयोजित 'प्रथम अंतरराष्ट्रीय पेंशन शोध सम्मेलन' में कहा कि भारत पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव की समीक्षा और आकलन करेगा। पंकज चौधरी ने कहा कि ट्रंप के लिए यह अमेरिका पहले है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह भारत पहले है। उन्होंने कहा कि हम अमेरिका द्वारा लगाए गए पारस्परिक शुल्कों के प्रभाव का आकलन कर रहे हैं। वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि अमेरिका की शुल्क बढ़ोतरी और देश पर इसके प्रभाव का आकलन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए उच्च शुल्कों का मुकाबला करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए करीब 60 देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है।

ट्रंप की टैरिफ घोषणा के बाद एक्शन मोड में सरकार

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ बम ने दुनिया भर के बाजारों में हड़कंप की स्थिति बना दी है। टैरिफ का ऐलान होने के बाद से ही भारत सरकार भी एक्शन मोड में आ गई है। अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ के कारण अलग-अलग सेक्टर्स पर पड़ने वाले निगेटिव इफेक्ट को कम करने के लिए भारत सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। टैरिफ को लेकर ट्रंप की घोषणा के साथ भारतीय उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी इससे भारतीय उद्योगों पर पड़ने वाले असर की समीक्षा में जुट गए हैं। केंद्र सरकार ने टैरिफ की समीक्षा के लिए एक कंट्रोल रूम बनाया है। कंट्रोल रूम में अलग-अलग मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों को लगाया गया है, जो टैरिफ के असर का अध्ययन करने के बाद उससे निपटने के उपायों पर प्रस्ताव पेश करेंगे। बताया जा रहा है कि शुरूआती समीक्षा में इस बात की भी संभावना व्यक्त की गई है कि अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी के कारण कुछ सेक्टर्स को नुकसान जरूर होगा, लेकिन कुछ सेक्टर ग्लोबल ट्रेड के लिहाज से फायदे में रह सकते हैं। टैरिफ का भारत पर पड़ने वाले असर का समग्र अध्ययन करने के लिए अलग-अलग देश पर लगाए गए टैरिफ की समीक्षा की जा रही है। इसके आधार पर इस बात का आकलन किया जाएगा कि किस सेक्टर से होने वाले निर्यात पर कम या ज्यादा असर पड़ेगा। अमेरिका ने भारत समेत 180 देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। 180 देशों की इस सूची में कई देशों पर भारत से काफी अधिक टैरिफ लगाया गया है, वहीं कई देशों को 10 प्रतिशत टैरिफ के दायरे में रखा गया है। हालांकि न्यूनतम 10 प्रतिशत टैरिफ दायरे में रहने वाले देश अमेरिकी उत्पादों पर भी 10 प्रतिशत टैरिफ ही लगाते हैं। जानकारों का कहना है कि भारत को अमेरिका की ओर से टैरिफ में रियायत मिलने की भी उम्मीद है।

बीमा एजेंट डिजिटल मोटर बीमा को आगे बढ़ा रहे हैं

रांची। भारत में मोटर बीमा उद्योग ने पिछले कुछ सालों में काफी महत्वपूर्ण विकास किया है। इस क्षेत्र में आई तेजी का श्रेय ग्राहकों की विकसित होती अपेक्षाओं, डिजिटल एडॉप्शन, और ज्यादा लचीली नीतियों की मांग को जाता है। शहरों और अर्द्धशहरी इलाकों में वाहनों की बढ़ती संख्या के साथ पॉलिसीधारक अपने लिए अनुकूलित कवरेज चाहते हैं ताकि उन्हें बेहतर वित्तीय सुरक्षा प्राप्त हो सके। यह जागरुकता लाने में पीओएसपी (पॉइंट ऑफ सेल्स पर्सन) बीमा एजेंट पार्टनर्स की भूमिका महत्वपूर्ण है, जो ग्राहकों को उनकी विशेष जरूरतों के अनुरूप विस्तृत बीमा समाधानों के बारे में शिक्षित करते हैं। पीओएसपी एजेंट पार्टनर आवश्यक एड-ऑन्स की जागरुकता बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं, ताकि ग्राहक अपना कवरेज बढ़ाने के लिए सूचित निर्णय ले सकें। सुरक्षा बढ़ाने के लिए आवश्यक एड-ऑन पीबीपार्टनर्स में नेशनल सेल्स हेड, मोटर बीयू, अमित भदौरिया ने कहा, वाहन मालिकों के लिए सबसे आवश्यक एड-ऑन्स में से एक जीरो डेप्रिसिएशन कवर है। इसके अंतर्गत पॉलिसीधारकों को क्षतिग्रस्त पार्ट के लिए डेप्रिसिएशन के बिना रिप्लेसिंग या रिपेयरिंग की पूरी लागत मिलती है। इसलिए वाहनमालिकों को अपनी जेब से कम खर्च करना पड़ता है, तथा दुर्घटना की स्थिति में उन्हें बेहतर वित्तीय सुरक्षा मिलती है।

भारत के कृषि निर्यात पर अमेरिकी शुल्क का कम होगा असर : अर्थशास्त्री

- भारत इस मुश्किल समय में भी अच्छे रिश्ते बनाए रखने की क्षमता रखता है

एजेंसी

नई दिल्ली। कृषि अर्थशास्त्री बताते हैं कि भारत को अमेरिका के नए शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन उनके अनुसार भारत इस मुश्किल समय में भी अच्छे रिश्ते बनाए रखने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि भारत को अपने प्रतिस्पर्धियों के साथ सापेक्ष शुल्क वृद्धि को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि अमेरिकी शुल्क का सबसे बड़ा प्रभाव समुद्री खाद्य और चावल के निर्यात पर होगा, लेकिन यह भारत के लिए कुछ मुश्किलें भी लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि भारत को उच्च शुल्कों के साथ भी वियतनाम और थाइलैंड के मुकाबले बेहतर स्थिति में रहने का मौका है। चीन पर 34 प्रतिशत और अन्य प्रतिस्पर्धियों पर 30 - 46 प्रतिशत तक के शुल्क हैं, जिससे भारतीय निर्यातकों को यह अंतर दर्जनों लाभ मिल रहा है। यहां तक कि सुरमा के निर्यात के मामले में भी भारत के तुलनात्मक शुल्क लाभ भारत को अच्छे राजनीतिक इकाई में रखता है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत उच्च शुल्क वाले प्रतिस्पर्धियों द्वारा खाली किए गए स्थानों में बाजार हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। भारत को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाने के लिए, बेहतर नीतियों और अर्थव्यवस्था के साथ कृषि क्षेत्र में नए उद्यमों की आवश्यकता है। भारत को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, लेकिन आगे बढ़ने के लिए भारत को अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्तरदायित्वपूर्ण नीतियों को अमल में लाना होगा।

मैक्स फैशन ने लैक्मे फैशन वीक में शानदार शुरूआत की

रांची। मैक्स फैशन ने लैक्मे फैशन वीक x FDCI के 25वें एडिशन में एक साहसिक और परिवर्तनकारी शुरूआत की, जिसमें उनकी प्रेरणा कल्कि केकलाँ थीं। इस क्षण ने भारतीय फैशन में एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित किया, मैक्स फैशन ने देश के सबसे प्रतिष्ठित रनवे में से एक पर हाई-स्ट्रीट स्टाइल को फिर से परिभाषित किया। यह महज एक रनवे क्षण नहीं था, बल्कि यह एक सांस्कृतिक मूल्यांकन था - एक बयान कि वैश्विक फैशन हर किसी के लिए है, जिसमें ऐसी शैली अपनाई जाती है जो सुलभ हो, ट्रेंड के साथ चलने वाली हो, जिसे आसानी से पहना जा सके। अपने सिसिलियन समर और अमाल्फी एस्केप कलेक्शन्स के लॉन्च के साथ, मैक्स फैशन ने न केवल हाई-स्ट्रीट फैशन को पुनर्परिभाषित किया बल्कि इसने एक मंच तैयार करके दिया जिससे लाखों लोगों की आकांक्षा सुलभ हो गई। जिस क्षण पहली मॉडल रनवे पर उतरी, यह स्पष्ट हो गया कि यह महज एक और कलेक्शन लॉन्च नहीं था - यह एक आंदोलन था। जैसे ही कल्कि केकलाँ ने रनवे पर कदम रखा, दर्शकों की साँसे थम गई, उनमें आश्चर्य की लहर दौड़ गई। आत्मविश्वास, विद्रोह और सहज शैली से भरपूर एक स्टेटमेंट लुक में लिपटी कल्कि ने सिर्फ रनवे पर वॉक ही नहीं किया बल्कि यह जताया भी दिया कि यह रेनवे सिर्फ. उसी के सिए बना है।

इस गर्मी ऊषा कूलर्स के साथ अपने घर में लाए ठंडक

रांची। ऊषा इंटरनेशनल अपने ग्राहकों के लिए, एरोस्टाइल कूलर की सबसे ज्यादा बिकने वाली रेंज के साथ, ऐसे उत्पाद लाने की अपनी विरासत को जारी रखे हुए है जो अभिनव, अत्याधुनिक तकनीक, आकर्षक डिजाइन और सहज कार्यक्षमता से लैस हों। सुविधाओं से समझौता नहीं करने वाले लोगों के लिए डिजाइन किए गए ये दोनों कूलर उच्च प्रदर्शन वाले हनीकॉम्ब कूलिंग पैड, एकीकृत बर्फ कक्ष और अधिकतम शीतलन दक्षता के लिए शॉवर वितरण प्रणाली से सुसज्जित हैं। बिल्ट-इन डस्ट फि ल्टर, ऑटो-स्विंग कार्यक्षमता के साथ मोटराइज्ड वर्टिकल लूवर और पूरी तरह से बंद होने वाले फ्रंट लूवर धूल और मच्छरों को दूर रखते हुए स्वच्छ वायु प्रवाह सुनिश्चित करते हैं। इसका मैनुअल ह्यूमिडिटी कंट्रोल और ऑटो-ड्रेन फंक्शन रखरखाव को आसान बनाता है, जबकि बॉल-बेयरिंग से लैस फैन मोटर सुचारू, लंबे समय तक चलने वाला संचालन सुनिश्चित करता है। यह मॉडल 70लीटर वैरिएंट में भी उपलब्ध है।

हॉल्डर वेंचर लिमिटेड ने केएस ऑयल के हल्दिया संयंत्र का अधिग्रहण किया

1500 करोड़ से अधिक की राजस्व वृद्धि की संभावना

रांची। भारत की प्रमुख पारबॉयल्ड चावल और खाद्य तेल निर्माण कंपनियों में से एक, हॉल्डर वेंचर लिमिटेड ने केएस ऑयल लिमिटेड के हल्दिया स्थित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का सफलतापूर्वक अधिग्रहण कर अपने संचालन का विस्तार किया है। यह अधिग्रहण 500 टीपीडी भौतिक और रासायनिक रिफाइनिंग क्षमता वाले अत्याधुनिक रिफाइनिंग संयंत्र को HVL के नियंत्रण में लाता है, जिससे इसकी वर्तमान उत्पादन क्षमता पांच गुना बढ़ जाएगी। इस रणनीतिक विस्तार से वार्षिक राजस्व में 1500 करोड़ से अधिक की वृद्धि होने की संभावना है, जिससे HVL को पूर्वी भारत में तेजी से बढ़ती मांग का लाभ मिलेगा। प्रत्यक्ष बंदरगाह पहुंच और 500 टीपीडी एडिबल ऑयल रिफाइनरी से आपूर्ति श्रृंखला दक्षता बढ़ेगी यह अधिग्रहण 20 मार्च 2025 को नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल द्वारा स्वीकृत किया गया था और 28 मार्च 2025 को केएस ऑयल लिमिटेड के परिसमापक द्वारा भौतिक स्वामित्व सौंपा गया। इस अधिग्रहण के तहत 33,000 एमटी की भंडारण क्षमता और एक अत्याधुनिक पैकेजिंग यूनिट भी शामिल है। प्रत्यक्ष बंदरगाह पहुंच के साथ, HVL अब कच्चे खाद्य तेल का सीधे आयात कर सकेगा, जिससे टैंकर परिवहन पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी और लॉजिस्टिक्स लागत में महत्वपूर्ण कमी आएगी। हल्दिया में स्थित यह संयंत्र सड़क, समुद्र और रेल मार्ग से सुगम कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जिससे कंपनी पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा और पूर्वोत्तर भारत में अपने वितरण नेटवर्क को मजबूत कर सकेगी। साथ ही, नेपाल और बांग्लादेश जैसे देशों तक भी इसका विस्तार होगा। इस अधिग्रहण पर हॉल्डर वेंचर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, केशब कुमार हॉल्डर ने कहा, यह अधिग्रहण हमारी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे हमारी उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, दक्षता में सुधार होगा और खाद्य तेल क्षेत्र में हमारी स्थिति और मजबूत होगी। बंदरगाह तक सीधी पहुंच और उन्नत रिफाइनिंग तकनीक के साथ, हम गुणवत्ता और वितरण में नए मानक स्थापित करने के लिए तैयार हैं। हमारा मुख्य लक्ष्य प्रीमियम खाद्य तेल उपलब्ध कराना और हमारे हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करना है।

नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन फाइंड एक्स 8 अल्ट्रा होगा लॉन्च

नई दिल्ली। नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन फाइंड एक्स 8 अल्ट्रा ओप्पो 10 अप्रैल को लॉन्च होगा। चीन में यह डिवाइस पहले ही प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध हो चुका है, और अब कंपनी ने इसके आधिकारिक रेंडर्स जारी कर दिए हैं, जिससे फोन के लुक और फीचर्स का खुलासा हुआ है। यह फोन अपनी शानदार डिजाइन और दमदार कैमरा सेटअप के कारण सुर्खियों में है। फोन का डिजाइन काफी प्रीमियम है और यह स्टारी ब्लैक, मूनलाइट वाइट और मॉर्निंग लाइट जैसे तीन रंगों में उपलब्ध होगा। कंपनी ने इस बार अलर्ट स्लाइडर को हटाकर मैजिक क्यूब हार्डवेयर बटन दिया है, जो फोन के बाईं ओर स्थित होगा।

मोटोरोला ने पेश किया नया एज 60 फ्यूजन

रांची। मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में एक वैश्विक अग्रणी कंपनी और भारत का प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला ने अपनी नई और बहुप्रतीक्षित एज 60 सीरीज का पहला स्मार्टफोन मोटोरोला एज 60 फ्यूजन लॉन्च किया। यह नया स्मार्टफोन अपनी बेहद लोकप्रिय जनरेशन मोटोरोला एज 50 फ्यूजन की तुलना में लगभग हर पहलू में एक महत्वपूर्ण अपग्रेड है। इसे उन उपभोक्ताओं के लिए डिजाइन किया गया है जो एक प्रीमियम स्मार्टफोन की तलाश में हैं, जिसमें शानदार डिजाइन और अत्याधुनिक फीचर्स का अनूठा संयोजन हो। शक्तिशाली ए ई - ड्रिवन अनुभवों के साथ, मोटोरोला एज 60 फ्यूजन उपयोगकर्ता के दैनिक कार्यों को अधिक सरल और सहज बनाता है। स्मार्टफोन की कुछ प्रमुख विशेषताओं में दुनिया का सबसे इमर्सिव 1.5K ऑल 4 साइड कर्व्ड डिस्प्ले शामिल है, जिसमें पैनटोन द्वारा प्रमाणित टू कलर है, दुनिया का पहला और सेगमेंट का सबसे बेहतरीन 100% टू कलर सोनी LYT 700C कैमरा सिस्टम है, जिसमें एडवांस ए ई छएऊइमेजिंग फीचर हैं, सेगमेंट के सबसे बेहतरीन ए ई फीचर हैं, जो विभिन्न जनरेटिव ए ई , कैमरा और मोटो ए ई असिस्ट फीचर्स के साथ आते हैं। इसके अलावा, स्मार्टफोन में टू मील -810H मिलिट्री ग्रेड सर्टिफाइड प्रोटेक्शन के साथ IP68 और IP69 अंडरवाटर प्रोटेक्शन भी है।

सोलर कंपनी के शेयरों में लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ की घोषणा के बाद घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट के बावजूद सोलर कंपनी एक्मे सोलर होल्डिंग्स के शेयर गुरुवार को 5 फीसदी चढ़ गए। कंपनी के शेयर बाजार खुलते ही बीएसई पर 4.99 फीसदी उछलकर 201.90 रुपये पर पहुंच गए। इसी के साथ कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लग गया। एक्मे सोलर होल्डिंग्स एक रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी है। इसके पोर्टफोलियो में सोलर, विंड, हाइब्रिड और फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी परियोजनाएं शामिल हैं। रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी और एसीएमई ग्रुप की प्रमुख इकाई एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने अपनी 490 मेगावाट की ऑपरेशनल रिन्यूएबल एनर्जी परियोजनाओं के लिए 2,491 करोड़ रुपए की लॉन्ग टर्म फाइनेंसिंग फैसिलिटी हासिल की है।

सैमसंग ने घरेलू उपकरणों पर एक्सटेंडेड वारंटी का तोहफा दिया

रांची। सैमसंग ने अपने चुनिंदा रेफ्रिजरेटर्स और फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों पर सैमसंग केयर+ के साथ देशभर में एक विशेष एक्सटेंडेड वारंटी कैंपेन शुरू किया है। यह ऑफर 30 अप्रैल, 2025 तक वैध है, जिससे उपभोक्ताओं को ज्यादा आकर्षक और किफायती मूल्य पर अपने उपकरणों के लिए बेहतर सुरक्षा मिलेगी। उपकरणों को खरीदने के दौरान ड्यूरैबिलिटी सबसे प्रमुख कारक है, यह पहल सैमसंग की विश्वसनीय आफ्टर-सेल्स सेवा के साथ उपभोक्ताओं को ज्यादा सुविधा और लंबे समय में आश्वासन प्रदान करती है। इस विशेष ऑफर के तहत, उपभोक्ता चुनिंदा फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों पर सिर्फ 499 रुपये के विशेष मूल्य पर 4,290 रुपये की सैमसंग केयर+ के साथ 2 साल की एक्सटेंडेड एवं कॉम्प्रीहेंसिव वारंटी का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, रेफ्रिजरेटर्स की बात करें तो, सैमसंग फ्रेंच डोर और साइड-बाय-साइड (एसबीएस) मॉडलों पर 4490 रुपये की वारंटी के लिए 449 रुपये और 500 लीटर से नीचे के फ्रॉस्ट फ्री मॉडलों पर 1270 रुपये की वारंटी के लिए 349 रुपये के विशेष मूल्य पर 1 साल की एक्सटेंडेड वारंटी दे रहा है। उपभोक्ता सैमसंग के रिटेल स्टोर्स, सैमसंग.कॉम और देश भर की दूसरी रिटेल दुकानों में इस सीमित समय के ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। सैमसंग का कहना है कि वे ग्राहकों को नए-नए उच्च गुणवत्ता के उत्पाद और बिक्री के बाद अच्छी सेवाएं देना चाहते हैं। वे हमेशा नए और भरोसेमंद उत्पाद बनाते हैं, ताकि लोगों का जीवन बेहतर हो सके और ग्राहक पूरी तरह संतुष्ट हों।

आईडेंटिक्स वेब ने आईपीओ निवेशकों को किया गदगद

एजेंसी

नई दिल्ली। शॉपिफाई एप्स डेवलप करने वाली कंपनी आईडेंटिक्स वेब ने प्रीमियम लिस्टिंग के कारण आज अपने आईपीओ निवेशकों को गदगद कर दिया। आज कंपनी के शेयर स्टॉक मार्केट में मजबूत लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 54 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 1.85 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 55 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर कुछ ही देर में 57.75 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले कारोबारी दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 6.94 प्रतिशत का फायदा हो गया। आईडेंटिक्स वेब का 16.13 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 28 मार्च के बीच

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 26.15 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 11.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 73.46 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 14.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 30.80 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल मार्केटिंग, आरएंडडी और प्रोडक्ट डेवलपमेंट के लिए हायरिंग करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में किया जाएगा। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 105.19 प्रतिशत बढ़कर 2.77 करोड़ रुपये हो गया था। इसी तरह कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 6.22 प्रतिशत बढ़कर 6.66 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की बात करें, तो इसकी पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 2 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 4.97 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल करने में सफल रही थी।

गुणों से भरपूर है मेरा किरदार सिर्फ रूप तक सीमित नहीं : आलेया घोष

मुंबई। शेमारू उमंग पर प्रसारित 'जमुनीया' शो की कहानी में जमुनीया नाम की एक लड़की की है, जो अपने सांवले रंग के कारण समाज की आलोचना का शिकार होती है। आलेया घोष कहती हैं, जमुनीया, जामुन के फल की तरह ही कई गुणों से भरपूर है। जैसे जामुन सेहत के लिए लाभकारी होता है, वैसे ही मेरा किरदार 'जमुनीया' सिर्फ अपनी बाहरी सुंदरता तक ही सीमित नहीं है। वह निडर है और हमेशा सच के लिए खड़ी होती है। मौजूदा कहानी में, अपने हक के लिए कैसे लड़ना है। वह किसी को भी खुद पर अन्याय नहीं करने देगी और अपने पति की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगी, भले ही उसका पति और परिवार उसे उसके रूप के कारण स्वीकार न करें। लोग अक्सर रूप-रंग के आधार पर निर्णय लेते हैं, लेकिन असली सुंदरता साहस, विनम्रता और आत्मबल में होती है। यह शो एक सशक्त संदेश देता है। सौंदर्य सिर्फ चेहरे की सुंदरता में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संकल्प और सच्चे दिल में होता है। देखिए 'जमुनीया' शो, हर सोमवार से शनिवार, रात 8:00 बजे, सिर्फ शेमारू उमंग पर।

खास खबर

श्रीकांत ने की सीएसके की आलोचना

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय ओपनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के प्रदर्शन को लेकर कड़ी आलोचना की। शुक्रवार को एमएस धोनी की कप्तानी में खेल रही सीएसके को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ चेन्नई में 8 विकेट से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने इस हार को सीएसके की सबसे खराब हारों में से एक बताया और टीम के प्रदर्शन पर सवाल उठाए।

1983 के विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे श्रीकांत ने पावरप्ले के दौरान सीएसके की बल्लेबाजी की तुलना टेस्ट मैच की रिहर्सल से की। उनका मानना था कि पूरी टीम पुराने खेल के पैटर्न पर चल रही है और अब समय आ गया है कि कुछ नया किया जाए। श्रीकांत ने सुझाव दिया कि सीएसके को पृथ्वी शॉ जैसे अनसोल्ड खिलाड़ियों को मौका देना चाहिए, जो आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रह गए थे। श्रीकांत ने अपने ट्वीट में लिखा, यह हार सीएसके की सबसे खराब हारों में से एक। पावरप्ले की बल्लेबाजी टेस्ट मैच की रिहर्सल जैसी लग रही थी। पूरी टीम ऐसा लग रहा है जैसे पुरानी यादों पर चल रही हो।

एलेक्स कैरी ने पीएसएल से अपना नाम लिया वापस

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने पाकिस्तान प्रीमियर लीग (पीएसएल) 2025 के 10वें एडिशन से अपना नाम वापस ले लिया है। कैरी, जिन्हें इस्लामाबाद यूनाइटेड ने साउथ अफ्रीका के स्टार रासी वैन डेर डुसेन की जगह चुना था, अब घरेलू क्रिकेट की कमिटमेंट की वजह से इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। 11 अप्रैल से शुरू हुए इस टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले इस्लामाबाद यूनाइटेड ने उनके बाहर होने की पुष्टि की। इस्लामाबाद यूनाइटेड ने अपने पहले मैच में लाहौर कलंदर्स को हराकर पीएसएल 2025 अभियान की शानदार शुरूआत की। हालांकि, कैरी के बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि रासी वैन डेर डुसेन टूर्नामेंट में वापसी करेंगे, जैसा कि फ्रेंचाइजी ने पुष्टि की है। इससे पहले न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन भी पीएसएल के शुरूआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

ग्लेन फिलिप्स चोटिल, आईपीएल से हुए बाहर

नई दिल्ली । गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स आईपीएल 2025 का बाकी सत्र नहीं खेल सकते, क्योंकि उन्हें ग्रोइन इंजरी हुई है। चोट लगने के बाद वे अपने देश लौट गए हैं। यह चोट उन्हें 6 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान लगी, उस मैच में गुजरात टाइटंस ने सात विकेट से जीत दर्ज की थी। मैच में फिलिप्स बतौर फील्डिंग सब्स्टिट्यूट पॉवरप्ले के आखिरी ओवर में मैदान पर आए थे। एक थ्रो फेंकते समय उनकी ग्रोइन मसल्स में खिंचाव आ गया। फिजियो की देखरेख में उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया। गुजरात टाइटंस ने कहा, हम ग्लेन की जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। फिलिप्स को पिछले साल की बड़ी नीलामी में 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा गया था।

डीपी मनु पर लगा चार साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी डीपी मनु पर डोपिंग के मामले में नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने चार साल का प्रतिबंध लगा दिया है। मनु के सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ मेथाइलटेस्टोस्टेरोन पाया गया, जिसके बाद यह सजा सुनाई गई है। 25 वर्षीय डीपी मनु ने 2023 एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था और बुडापेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे। अप्रैल 2024 में बेंगलुरु में आयोजित इंडियन ग्रां प्री-1 में उन्होंने 81.91 मीटर भाला फेंककर प्रतियोगिता जीती थी। इसी इवेंट के दौरान लिए गए उनके सैंपल में डोपिंग की पुष्टि हुई। डोप टेस्ट के बाद भी मनु ने दो और प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। हालांकि, वह पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए निर्धारित 85.50 मीटर क्वालिफाइंग मार्क पार नहीं कर सके।

बिली जीन किंग कप: वैदेही और श्रीवल्ली की बदौलत भारत प्लेऑफ के करीब

एजेंसी

पुणे। युवा खिलाड़ियों-श्रीवल्ली भामिदीपती और वैदेही चौधरी- के शानदार खेल की बदौलत टीम इंडिया ने शुक्रवार शाम को बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 में चीनी ताइपे को 2-1 से हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। मेजबान टीम लगातार तीसरी जीत के साथ इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। यह टूर्नामेंट पुणे के महालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में एमएसएलटीए द्वारा आईटीएफ, एआईटीए और पीएमडीटीए के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। वैदेही चौधरी के लिए यह एक और सफल परफॉरमेंस था। इस बार उन्होंने फेंग एन लिन के खिलाफ दो मैचों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। एकल में 351वीं रैंक वाली भारतीय स्टार ने पहले सेट में दबदबा बनाया, लेकिन उनकी प्रतिद्वंद्वी ने निर्णायक सेट के लिए मजबूर कर दिया। हालांकि, वैदेही ने शानदार तरीके से जवाब दिया और अंततः 2 घंटे और 9 मिनट में 6-2, 5-7, 6-4 से जीत दर्ज की। उनकी इस जीत से भारत को इस अहम मुकाबले में 1-0 की बढ़त मिली। दूसरे मैच में, श्रीवल्ली भामिदीपती ने एक और जीत के साथ टूर्नामेंट में अपना बेहतरीन रिकॉर्ड बनाए रखा। उन्होंने 207वीं रैंक वाली जोआना गारलैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में लगातार चौथी जीत दर्ज की। भारत की सबसे होनहार स्टार में से एक 304वीं रैंक वाली श्रीवल्ली ने पहले सेट में दबदबा बनाया और अंततः 2 घंटे और 38 मिनट में 6-2, 7-6 (7-3) के स्कोर के साथ मैच को समाप्त कर दिया।दिन के अंतिम मैच में, चीनी ताइपे की युगल जोड़ी यी त्सेन चो और फेंग-हसीन वू ने अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे की भारतीय जोड़ी को हराया। पहला सेट हारने के बाद, अनुभवी भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए दूसरा सेट जीत लिया।

शिखर धवन के योगदान से उभरते सितारे, आईपीएल में चमक रहे हैं

एजेंसी

नई दिल्ली । टीम इंडिया का गब्बर यानि शिखर धवन, जिन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा, की छाप क्रिकेट जगत में अभी भी गहरी और प्रेरणादायक बनी हुई है। आईपीएल 2025 में उभरते सितारे आयुष बदोनी, प्रियांश आर्य और दिग्वेश राठी अपनी प्रतिभा से सबका ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, और इनका एक खास संबंध दिल्ली की क्रिकेट संस्कृति और शिखर धवन की दूरदर्शिता से जुड़ा है। यह तीनों युवा खिलाड़ी दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) की प्रमुख टीम साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज का हिस्सा रहे हैं, जो शिखर धवन की सोच और समर्पण का परिणाम है। धवन ने आयुष लालवानी (लालवानी ग्रुप) और इश्विन सिंह होरा (रीच ग्रुप) के साथ मिलकर इस फ्रेंचाइजी को खरीदा था। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने हमेशा उन खिलाड़ियों को अवसर दिया है जो जुनून, निडरता और आत्मविश्वास से भरे हुए हों। आज इनमें से कई खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट और आईपीएल जैसे बड़े मंचों पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। शिखर धवन ने अपनी खुशी और गर्व का इजहार करते हुए कहा, आयुष, प्रियांश और दिग्वेश की प्रगति को देखना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है। इन युवाओं को चुनौतियों का सामना करते हुए बड़े मंचों पर सफलता हासिल करते देखना एक खास अनुभव है।

धोनी ने आईपीएल 2025 में फिर रचा इतिहास

एजेंसी

3 नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी भी चेन्नई सुपर किंग्स की हार का सिलसिला खत्म नहीं कर पाई, लेकिन उन्होंने इस सीजन में एक और ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। धोनी, जो पहले ही आईपीएल में 5 बार चेन्नई को चैंपियन बना चुके हैं, अब लीग के इतिहास में सबसे उम्रदराज कप्तान बन गए हैं। 43 साल और 278 दिन की उम्र में धोनी ने कप्तानी की कमान संभाली, जो एक नया मील का पत्थर साबित हुआ है। धोनी ने 2008 से लेकर 2021 तक सीएसके की कप्तानी की थी और फिर 2022 में रवींद्र जडेजा को यह जिम्मेदारी सौंपी थी। हालांकि, जडेजा के कप्तानी से हटने के बाद धोनी ने एक बार फिर सीएसके की कप्तानी संभाली। 2023 सीजन के अंत तक वह टीम की कप्तानी करते रहे और फिर 2024 में ऋतुराज गायकवाड को कप्तान बनाया। अब जब गायकवाड चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए, धोनी को फिर से टीम की कमान सौंपी गई। महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल में एक और अहम रिकॉर्ड भी बनाया है। वह आईपीएल इतिहास में सबसे उम्रदराज कप्तान बने, जिन्होंने 42 साल के बाद यह जिम्मेदारी ली। इससे पहले, शेन वॉर्न, एडम गिलक्रिस्ट और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने 40 की उम्र के बाद कप्तानी की थी, लेकिन धोनी ने इन सभी को पीछे छोड़ते हुए यह नया रिकॉर्ड दर्ज किया है। धोनी के साथ आईपीएल के इतिहास में सबसे सफल कप्तान रोहित शर्मा भी हैं, जिन्होंने अपनी टीम को कई बार चैंपियन बनाया है। धोनी ने अपनी कप्तानी में सीएसके को 5 बार आईपीएल खिताब दिलाया 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में।धोनी का आईपीएल में कप्तान के रूप में सफर न केवल शानदार रहा है, बल्कि वह सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी करने और सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान भी हैं।

ऑरेंज कैप की दौड़ में शामिल हुए राहुल

एजेंसी

मुम्बई । दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 93 रनों की आक्रामक पारी खेलकर सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में शामिल हो गये। इस पारी के बाद उनका औसत 92.50 का हो गया है।राहुल सत्र का पहला मैच नहीं खेल पाए थे पर इसके बाद भी वह आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष 10 बल्लेबाजों में दिल्ली कैपिटल्स के एकमात्र खिलाड़ी हैं। राहुल ने आईपीएल 2025 में अभी तक खेले तीन मैचों में 169.72 के स्ट्राइक रेट के साथ 185 रन बनाए हैं। वह ऑरेंज कैप की दौड़ में 8वें पायदान पर हैं। वहीं विराट कोहली 186 रनों के साथ 6ठे नंबर पर हैं। ऑरेंज कैप की रेस में फिलहाल लखनऊ सुपर जाएंट्स के निकोलस पूरन पहले नंबर पर है। उनके नाम 5 मैचों में 288 रन दर्ज हैं। वहीं दूसरे नंबार पर 273 रनों के साथ साई सुदर्शन और तीसरे नंबर पर 265 रनों के साथ ही मिचेल मार्श हैं। जोस बटलर 202 रनों के साथ ही चौथे। वह सूर्यकुमार यादव 199 रनों के साथ ही पांचवे नंबर पर हैं।

वहीं बात पर्पल कैप की करें तो सीजन की शुरूआत से ही चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद 11 विकेट के साथ नंबर एक पर हैं। दूसरे नंबर पर 10 विकेट के साथ ही साई किशोर और तीसरे नंबर पर मो सिराज हैं, सिराज के भी 10 विकेट ही हैं।

चार दिवसीय मैचों के लिए इंग्लैंड जाएगी भारत ए टीम

एजेंसी

मुम्बई । भारत-ए टीम आईपीएल 2025 के बाद तीन 4-दिवसीय मैचों के लिए इंग्लैंड जाएगी। इस दौरे में उसका मुकाबला इंग्लैंड लायंस की टीम से होगा। इससे इसमें शामिल खिलाड़ियों के पास बेहतर प्रदर्शन कर जून में होने वाले भारतीय टीम के टेस्ट दौरे के लिए अपना दावा पेश करने का अच्छा अवसर होगा। भारत ए की टीम यह दौरा 25 मई से 20 जून के बीच चल सकता है, हालांकि अभी इसकी तारीखों की घोषणा नहीं हुई है। 25 मई को आईपीएल का फाइनल मुकाबला होगा, जबकि 20 जून से टेस्ट सीरीज की शुरूआत होगी। भारतीय बल्लेबाज टेस्ट मैचों के अलावा मुश्किल से ही कोई लाल गेंद की क्रिकेट खेलते हैं। कुछ नियमित टेस्ट खिलाड़ी भी इस इंडिया ए के दौरे पर जा सकते हैं जिससे कि आगामी इंग्लैंड दौरे के लिएस अपनी दावेदारी पक्की की जा सके। भारत-इंग्लैंड एकदिवसीय सीरीज शुरू होने से पहले एक रणजी ट्रॉफी मुकाबला खेला जाएगा उसमें भी ये बल्लेबाज लाल गेंद की क्रिकेट का अभ्यास कर सकते हैं। बीसीसीआई ने अपने बल्लेबाजों को संदेश दिया है कि वह इस सीरीज को चयन का एक पैमाना मानें। पिछले साल जब इंग्लैंड लायंस की टीम भारत आई थी तो सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप जैसे खिलाड़ियो ने इंडिया ए की ओर से खेला था। वहीं इसके बाद इन्हें राष्ट्रीय टीम से खेलने का अवसर मिला है।

धोनी के विवादास्पद आउट होने पर सिद्धू ने उठाए सवाल

नई दिल्ली । आईपीएल 2025 में महेंद्र सिंह धोनी के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) मैच निराशाजनक साबित हुआ। इस मुकाबले में सीएसके को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा, और धोनी भी महज एक रन बना कर पवेलियन लौट गए। हालांकि, धोनी के आउट होने पर विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हुई, जब अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू करार दिया, लेकिन नवजोत सिंह सिद्धू ने टीवी रीप्ले देखने के बाद साफ तौर पर कहा कि यह नॉटआउट था।कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। सीएसके इस मुकाबले में महज 103 रन बना सकी, जो उनके घरेलू मैदान पर अब तक का सबसे कम स्कोर था।

केकेआर के गेंदबाज सुनील नरेन ने दिखाया दमखम

- सीएसके की निकाली दम

एजेंसी

नई दिल्ली । कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार स्पिनर सुनील नरेन ने फिर से खुद को बल्लेबाजों के लिए बीस साबित कर अपनी गेंदबाजी का दमखम दिखा दिया है। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स को उनके घरेलू मैदान में जिस तरह से ध्वस्त किया, वह काबिले तारीफ है। गेंदबाज नरेन ने चार ओवर में 13 रन देकर तीन विकेट लिए और अपनी टीम की जीत के सबसे बड़े हीरो साबित हुए। नरेन को प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया। आईपीएल 2018 से अब नरेन को 99 मैचों में 9 बार प्लेयर ऑफ द मैच मिला है। जब बात केकेआर के लिए यह अवार्ड जीतने की आती है, नरेन का कोई सानी नहीं है। उन्होंने केकेआर के लिए 16 बार प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड जीता है, जो सबसे ज्यादा है। आंद्रे रसेल 15 बार ऐसा कर चुके हैं।

36 साल के नरेन ने 181 आईपीएल मैचों में अब तक 25.46 की औसत के साथ 185 विकेट झटके हैं। वे आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में चौथे स्थान पर हैं। युजवेंद्र चहल, पीयूष चावला, रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा जैसे धुरंधरों की गेंदबाजी पर जहां इस लीग में अब तक 200 से ज्यादा छक्के लग चुके हैं, वहीं नरेन ने सिर्फ 175 छक्के ही खाए हैं।

नरेन ने सीएसके के खिलाफ अभी तक 26 विकेट झटके हैं, जो आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ किसी गेंदबाज द्वारा लिए गए दूसरे सर्वाधिक विकेट हैं। नरेन का जादू केवल सीएसके पर ही नहीं, बल्कि महेंद्र सिंह धोनी के खिलाफ भी खूब चलता है। टी20 क्रिकेट में धोनी ने मिस्ट्री गेंदबाज के खिलाफ सिर्फ 52.17 की स्ट्राइक रेट से बैटिंग की है और औसत सिर्फ 16 की रही है। खास बात यह है कि धोनी आईपीएल में नरेन की बॉलिंग पर सिर्फ एक बार ही चौका लगा सके हैं और यह चौका भी फ्री हिट पर आया था।

नरेन ने कहा, मैं अपनी ताकत पर ध्यान देने की कोशिश कर रहा हूं। बल्लेबाज अच्छा खेलते हैं, लेकिन अगर आप उन पर ज्यादा ध्यान देते हैं, तब आप पहले से ही दबाव में आ जाते हैं। आप अभ्यस्त हो जाते हैं और जितनी जल्दी हो सके तालमेल बैठाने की कोशिश करते हैं।

मोंटे कार्लो मास्टर्स : कार्लोस अल्कराज सेमीफाइनल में

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्कराज ने मोंटे कार्लो मास्टर्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने स्थानीय खिलाड़ी आर्थर फिस को 4-6, 7-5, 6-3 से हराया। यह मुकाबला करीब ढाई घंटे चला, जिसमें दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। फिस ने शुरूआत में दो ब्रेक लेकर 3-0 की बढ़त बनाई थी, लेकिन अनुभव ने अंत में अल्कराज को जीत दिलाई। पहला सेट फिस ने 6-4 से जीता और दूसरे सेट में भी उनके पास कई ब्रेक पॉइंट्स थे, लेकिन वो उन्हें भुना नहीं सके। फिस ने दूसरे सेट में सात ब्रेक पॉइंट गंवाए, वहीं अल्कराज ने 12वें गेम में शानदार लॉब लगाकर सेट अपने नाम किया। तीसरे सेट में भी फिस ने शुरूआती बढ़त ली, लेकिन अल्कराज ने धैर्य नहीं खोया और वापसी कर दो बार सर्विस ब्रेक की। तीसरे सेट के आठवें गेम में सर्विस गंवाने के बाद फिस ने गुस्से में अपना रैकेट तोड़ दिया। यह पल निर्णायक साबित हुआ क्योंकि इसके बाद वे लय में नहीं लौट सके और अल्कराज ने आसानी से मैच खत्म कर दिया। जीत के बाद अल्कराज ने कहा, सच्चे चैंपियन वही होते हैं जो जरूरत के समय अपना सर्वश्रेष्ठ स्तर पा लेते हैं। मैं भी चाहता हूं कि पहले से आखिरी पॉइंट तक बेस्ट टेनिस खेलूं, लेकिन ढाई घंटे तक लगातार टॉप लेवल पर खेलना आसान नहीं होता। दूसरी ओर, चौथी बार के चैंपियन स्टेफानोस सितसिपास को इटली के लोरेंजो मुसैती ने 1-6, 6-3, 6-4 से हराकर बाहर कर दिया। मुसैती अब ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर से भिड़ेंगे, जिन्होंने ग्रिगोर दिमित्रोव को महज 44 मिनट में 6-0, 6-0 से हराया।

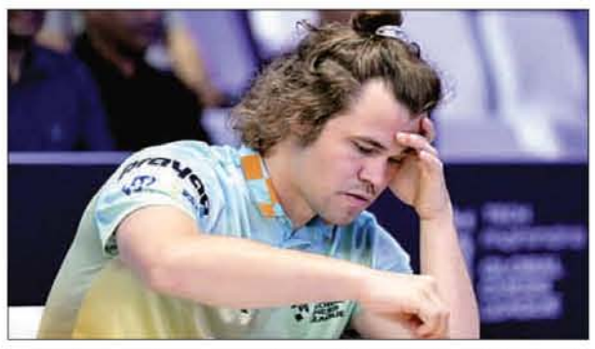

सुपर ओवर में बिहार ने उत्तर प्रदेश को हराया

मिजार्पुर । मां वैष्णवी फाउण्डेशन एवं उ.प्र. क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के बैनर तले कछवां क्रिकेट ग्राउंड (गांधी विद्यालय मैदान कछवां) मीरजापुर तीन माचो की सीरीज में आज पहला मैच खेला गया जिसमें बिहार ने रोमांचक खेल दिखाते हुए सुपर ओवर में मैच जीता। बता दे की बिहार की टीम ने पहले टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया निर्धारित 15 ओवरों में बिहार में 5 विकेट खोखर 137 रनों का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को दिया । बिहार के तरफ से अंगद ने 21 गेंद में 34 रनों की पारी खेली व बलकरण ने 19 गेंद में 33 रनों की पारी शैली 137 रन का पीछा करने उतरी उत्तर प्रदेश की टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही उत्तर प्रदेश की तरफ से गोकुल ने 16 गेंद में 43 रन व बालमुकुंद ने 12 गेंद में 22 रनों की बदौलत मैच को टाई कराया गया बिहार की तरफ से अंगद ने तीन ओवर में दो विकेट व बलकरण ने तीन ओवर में दो विकेट झटके इसी प्रकार उत्तर प्रदेश की तरफ से बालमुकुंद ने तीन ओवर में दो विकेट व रवि ने एक विकेट लिया इस रोमांचक मैच में बेहतरीन पारी खेलने वाले अंगद को मैन ऑफ द मैच दिया गया। बता दे कि कल दूसरा मैच उत्तर प्रदेश वर्सेस बिहार के बीच सुबह 7:00 से खेला जाएगा। इस आशय की रिपोर्टिंग बाल मुकुंद चतुर्वेदी द्वारा किया गया है।

विनेश फोगाट ने खेल अकादमी खोलने का किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली । ओलंपियन और पूर्व रेसलर विनेश फोगाट ने घोषणा की है कि वह हरियाणा सरकार से प्राप्त 4 करोड़ रुपए के पुरस्कार को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अकादमी स्थापित करने में खर्च करेंगी। यह पुरस्कार उन्हें पेरिस ओलंपिक 2024 में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया है।

हरियाणा की खेल नीति को देश की बेहतरीन नीतियों में गिना जाता है, जो खिलाड़ियों को तीन विकल्प प्रदान करती है - जमीन, नौकरी या नकद राशि। ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेताओं को 6 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेताओं को 4 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेताओं को 2.5 करोड़ रुपए दिए जाते हैं। विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक 2024 के 50 किग्रा महिला पहलवानी वर्ग के फाइनल में पहुंची थीं, लेकिन फाइनल से पहले वजन परीक्षण में तय सीमा से थोड़ा अधिक वजन होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। इसके बावजूद, हरियाणा सरकार ने उन्हें रजत पदक विजेता के बराबर 4 करोड़ रुपए देने का निर्णय लिया। विनेश ने इस राशि को नकद में लेने का निर्णय लिया और अब इसे अपने वर्षों पुराने सपने को साकार करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय खेल अकादमी खोलने में उपयोग करेंगी। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर विनेश ने लिखा, एक खिलाड़ी की मेहनत को सम्मान देना ही असली जीत है। जनता ने मुझे जो प्यार, भरोसा और ताकत दी, अब वक्त है उसका कर्ज चुकाने का। उन्होंने आगे कहा, अब मेरी ज़िम्मेदारी सिर्फ एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि उन हजारों सपनों की भी है, जो खेल के जरिए एक सुरक्षित और सकारात्मक भविष्य की ओर बढ़ना चाहते हैं।विनेश ने बताया कि उनका सपना हमेशा से था कि अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और प्रेरणादायक माहौल मिले, ताकि वे अपनी पूरी क्षमता का एहसास कर सकें। उन्होंने सरकार और जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार राशि सिर्फ एक इनाम नहीं, बल्कि उनके वर्षों से संजोए गए सपने को साकार करने का एक माध्यम है।

विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक 2024 में ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थीं। हालांकि, वजन सीमा से 100 ग्राम अधिक होने के कारण वे फाइनल में भाग नहीं ले सकीं और बाद में उन्होंने संन्यास की घोषणा की। संन्यास के बाद विनेश राजनीति में भी सक्रिय हो गईं और हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीतकर विधायक बन चुकी हैं।

टेनिस - एटीपी मास्टर्स 1000 - मोंटे कार्लो मास्टर्स - मोंटे कार्लो कंट्री क्लब, रोकेब्रून-कैप-मार्टिन, फ्रांस में शुक्रवार को स्पेन के कार्लोस अल्काराज फ्रांस के आर्थर फिल्स के खिलाफ अपने क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए

नाखून में होने वाला इंफेक्शन

नाखूनों के रंग बदलने की वजह फंगल इन्फेक्शन भी हो सकता है. शुरुआत में नाखून सफेद या पीले रंग के दिखाई देते हैं, पर संक्रमण बढ़ने पर बदरंग होने के साथ-साथ पतले और खुरदरे होने लगते हैं. हम सभी का शरीर कई प्रकार के माइक्रोआर्गेनिज्म और वायरस के संपर्क में आता है. स्किन पर हुए इंफेक्शन को अगर नाखून से खुजाया जाए, तो भी नाखून संक्रमित हो जाते हैं. जो लोग ज्यादा स्विमिंग करते हैं या ज्यादा देर तक पानी में रहते हैं या फिर जिनके पैर अधिकतर जूतों में बंद रहते हैं, उनमें संक्रमण का खतरा अधिक होता है. अगर नाखूनों के आसपास खुजली, सूजन और दर्द हो, तो ऐसे में चिकित्सक को दिखाना बेहतर रहेगा.

यूं बनाए रखें नाखूनों की सेहत

पूरे शरीर के पोषण का ध्यान रखें. पौष्टिक आहार की मदद से ना सिर्फ नाखून स्वस्थ रहते हैं, बल्कि उनमें दरार या कट भी नहीं पड़ते हैं. बता दें, विटामिन बी का सेवन नाखूनों की सुंदरता बढ़ाता है.

नाखूनों की बाहरी स्किन का खास ध्यान रखें.

नाखून और पोर्स के आसपास की त्वचा को नियमित रूप से मॉइस्चराइजर की नमी दें.

विटामिन सी का सेवन नाखूनों के आसपास की त्वचा को कटने-फटने से रोकता है.

नाखूनों पर कम से कम केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें.

अपने नाखूनों को देखकर

जानें स्वास्थ्य का हाल, कितने सेहतमंद हैं आप

पुराने जमाने में वैद्य और हकीम किसी बीमारी का पता लगाने के लिए सबसे पहले हाथ के नाखूनों की जांच करते थे. उनका मानना था कि नाखूनों के रंग से कई तरह की बीमारियों का पता चलता है. आज के समय में भी आयुर्वेद और होम्योपैथी विशेषज्ञ बीमारी का पता लगाने के लिए नाखूनों के रंग की जांच करते हैं.

आपको बता दें कि सिर्फ आयुर्वेद और होम्योपैथी विशेषज्ञ ही नहीं मानते कि नाखूनों के रंग से कई बीमारियों का पता लगाया जा सकता है. बल्कि विज्ञान भी इस बात पर विश्वास करता है. नाखूनों के बदलते आकार और हमारे स्वास्थ्य के बीच के संबंध पर किए गए विभिन्न शोधों में यह साबित हो चुका है कि नाखूनों के रंग और आकार से शरीर में पनप रही बीमारियों और विभिन्न कमजोरियों और स्थितियों का पता लगाया जा सकता है.

बता दें, मानव शरीर में नाखून और बाल, कैरोटीन नामक पोषक तत्व से बने होते हैं. ऐसे में शरीर में पोषक तत्वों की कमी या कोई बीमारी होने पर कैरोटीन की सतह प्रभावित होने लगती है और ज्यादातर मामलों में नाखूनों का रंग बदलने लगता है.

आमतौर पर नाखूनों का खराब होता स्वरूप यानी नाखूनों में दरारें आना, नाखून टूटना, शरीर में विटामिन सी, फॉलिक एसिड व प्रोटीन की कमी के कारण होता है. जानकार और डॉक्टर बताते हैं की जरूरी नहीं कि नाखून का बदलता रंग सभी व्यक्तियों में बीमारी का संकेत हो. महिलाओं में कई बार खराब नेल पॉलिश लगाने से भी नाखूनों की सतह पर असर पड़ता है. लेकिन ज्यादातर मामलों में नाखूनों का रंग, उन पर पड़ी धारियां, नाखूनों का मोटा-पतला होना आदि बातें शारीरिक समस्याओं का लक्षण हो सकती है.

मोटे, रूखे और कमजोर टूटे हुए नाखून

नाखूनों के मोटाई तथा उनका उभरापन सिरोसिस और फंगल इन्फेक्शन के लक्षण हो सकते हैं. वहीं शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी होने पर भी कई बार नाखून बेरंग और रूखे हो जाते हैं. इसके अलावा हृदय रोग की स्थिति में नाखून मुड़ जाते हैं. नाखूनों में सफेद रंग की धारियां और रेखाएं किडनी के रोगों का संकेत देती हैं. डायबिटीज पीड़ितों का पूरा नाखून सफेद या पीले रंग या एक दो गुलाबी रेखाओं के साथ नजर आता है. दिल के रोगियों के नाखूनों में लाल धारियां देखने को मिलती हैं. इसके अलावा नाखूनों के बदलते स्वरूप के कई कारण हो सकते है...

कमजोर या भुरभुरे से नाखून

रूखे, कमजोर और भुरभुरे से नाखून, जो जल्दी टूट जाते हो, उनका सीधा संबंध थायराइड या फंगल इंफेक्शन से होता है.

मोटे नाखून

आमतौर पर नाखूनों की यह स्थिति फंगल संक्रमण के कारण होती है. लेकिन गठिया, डायबिटीज, फेफड़ों में इंफ्केशन, एक्जिमा और सिरोसिस में भी नाखूनों में ये लक्षण देखे जाते हैं.

चम्मच आकार ((कोइलोनीचिया)

चम्मच की आकृति लिए घुमावदार नाखून हाइपोक्रोमिक एनीमिया की ओर इशारा करने वाली कॉइलोनाइचिया बीमारी के कारण भी हो सकते हैं. इस तरह के नाखून लीवर की समस्याओं को भी दर्शाते हैं

सफेद निशान या खरोंच जैसे निशान वाले नाखून

अगर आपके नाखूनों पर ऐसे धब्बे दिखें, तो यह एक आनुवंशिक समस्या हो सकती है। हालाँकि, सोरायसिस या एक्जिमा भी इस लक्षण के अंतर्गत आते हैं.

झुर्रीदार नाखून

शरीर में पोषण की कमी, नाखून में संक्रमण या चोट के कारण नाखून में य?ह समस्या हो सकती है. वहीं कीमोथैरेपी, डायबिटीज तथा अत्यधिक तापमान के कारण भी ऐसा होता है.

सफेद लाइन

नाखूनों के किनारे पर अक्सर सफेद लाइन दिखाई देती है. यह खून में प्रोटीन की कमी का लक्षण हो सकता है. इतना ही नहीं लीवर डिजीज, पोषण की कमी या फिर स्ट्रेस के कारण भी हो सकता है.

नाखून का बदलता रंग और गुणवत्ता

नाखूनों का रंग फीका पड़ना या फिर बेरंग होना, किसी प्रकार के इंफेक्शन, पोषण की कमी या शरीर के इंटरनल ऑर्गन्स की समस्याओं की ओर इशारा करते हैं.

नाखूनों का रंग सफेद, भूरा या गहरा होना

नाखूनों का रंग भूरा या गहरा होना थायराइड या कुपोषण के कारण हो सकते हैं. वहीं नाखूनों का सफेद होना आयरन की कमी का संकेत हैं. अगर नाखूनों पर गहरे रंग की पट्टि?यां नजर आए, तो यह सामान्यत: नुकसान रहित होती हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह स्किन कैंसर की निशानी भी हो सकती है. ऐसा होने पर डॉक्टर को जरूर दिखाएं.

नाखून का पीला होना

हाथों की ऊंगलियों के नाखून का रंग पीला पड़ना फंगल इंफेक्शन या सायरोसिस के कारण भी हो सकते हैं.

नीले या स्लेटी नाखून

नीलापन या स्लेटी रंग लिए हुए नाखूनों का मतलब है कि शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही है और उसे ऑक्सीजन की आवश्यकता है.

नाखूनों का काला होना

स्किन डिजीज लाइकन प्लेनस, जिसमें पूरे शरीर में जगह-जगह पस पड़ जाती है, होने पर नाखून काले हो जाते हैं.

क्या ज्वार की रोटी खाने से ब्लड शुगर कम होता है?

जीवनशैली में बदलाव और खानपान की गलत आदतों के कारण लोग कम उम्र में ही डायबिटीज के शिकार हो रहे हैं. डायबिटीज होने पर खान-पान और डाइट पैटर्न पर खास ध्यान देने की जरूरत होती है. ऐसा न करने पर ब्लड शुगर लेवल काफी बढ़ जाता है, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है. ऐसे में आज इस खबर के माध्यम से जानें कि क्या ज्वार की रोटी सचमुच ब्लड शुगर लेवल को कम करती है? ऐसा माना जाता है कि इन्हें खाने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है.

विशेषज्ञों का कहना है कि ज्वार की रोटी डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है. यह एक मध्यम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली साबुत अनाज की रोटी होती है और इसमें फाइबर, विटामिन और खनिज भरपूर मात्रा में होते हैं. हाई फाइबर सामग्री ब्लड फ्लो में ग्लूकोज अवशोषण को धीमा करने में मदद करती है, जो ब्लड शुगर लेवल को प्रबंधित करने में मदद करती है. ज्वार में एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो डायबिटीज से संबंधित सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं.

चावल जल्दी पच जाता है इसके कारण इसे खाने वाले लोगों में ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है. अगर डायबिटीज मरीज गेहूं की रोटी भी खाते हैं, तो भी शुगर लेवल वही रहता है. लेकिन डायबिटीज वाले लोग अगर ज्वार, रागी, साजा, अलसी, क्विनोआ, ओट्स आदि की रोटी खाते हैं, तो इन्हे पचने में थोड़ा समय लगता है. नतीजतन, डायबिटीज मरीजों का ब्लड शुगर लेवल उतनी जल्दी नहीं बढ़ता जितना जल्दी चावल या गेहूं की रोटी खाने से बढ़ता है.

डायबिटीज रोग विशेषज्ञ का कहना है कि ज्वार को डायबिटीज रोगियों के भोजन में शामिल किया जाने वाला एक आइडल अनाज माना जाता है , क्योंकि इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स में मीडियम होती है. टैनिन से भरपूर ज्वार का चोकर ऐसे एंजाइम स्रावित करता है जो शरीर में शुगर और स्टार्च के अवशोषण को कम करने की क्षमता रखते हैं. इस प्रकार ज्वार शरीर में ग्लूकोज के स्तर और इंसुलिन संवेदनशीलता को नियंत्रित करता है, जिससे डायबिटीज को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने में मदद मिलती है. इसके अलावा, फाइबर, थायमिन, नियासिन, राइबोफ्लेविन और फोलेट से भरपूर ज्वार गैस्ट्रिक खाली करने में देरी करता है, रक्तप्रवाह में ग्लूकोज की रिहाई और अवशोषण को धीमा करता है और ब्लड शुगर के स्पाइक्स को रोकता है. नियमित रूप से ज्वार की रोटी खाने से हेपेटिक ग्लुकोनियोजेनेसिस को कम किया जा सकता है.

ज्वार के अन्य स्वास्थ्य लाभ

आंत के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है-

ज्वार में भरपूर मात्रा में आहार फाइबर होने के कारण यह पाचन तंत्र के सुचारू संचालन में सहायता करता है. इसके अलावा, ज्वार को नियमित रूप से खाने से पेट फूलना, कब्ज, पेट फूलना, अपच, ऐंठन, दस्त और जठरांत्र संबंधी समस्याओं से बचने में मदद मिल सकती है।

कैंसर के खतरे को कम करने में मददगार-

ज्वार में शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट की मौजूदगी बहुत मूल्यवान है क्योंकि यह कई प्रकार के कैंसर के खतरे को रोकता है. जो लोग ज्वार को मुख्य भोजन के रूप में खाते हैं, उनमें गेहूं या मकई खाने वालों की तुलना में कैंसर होने की संभावना काफी कम होती है, क्योंकि एंटीऑक्सीडेंट कैंसर कोशिकाओं के निर्माण को बढ़ावा देने वाले मुक्त कणों को नष्ट कर देते हैं.

हार्ट हेल्थ को लिए फायदेमंद-

ज्वार में मौजूद फाइटोकेमिकल्स फिनोल, टैनिन और प्लांट स्टेरोल्स की अच्छाई हाइपोकोलेस्ट्रोलेमिक प्रभाव के लिए जानी जाती है. जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन के अनुसार ज्वार से निकाले गए 10-20 मिलीग्राम पॉलीकोसैनोल एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को काफी हद तक कम कर सकते हैं.

एनर्जी बूस्टर-

ज्वार में नियासिन या विटामिन बी3 भरपूर मात्रा में पाया जाता है , नियासिन एक आवश्यक पोषक तत्व है जो शरीर में एनर्जी के चयापचय में एक महत्वपूर्ण घटक है. आहार में ज्वार को शामिल करने से चयापचय बढ़ता है और पूरे दिन एनर्जी का स्तर बढ़ता है.

हड्डियों को मजबूत बनाता है-

ज्वार में मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा कैल्शियम अवशोषण को बढ़ाने में सहायता करती है, जो कैल्शियम के स्तर को बनाए रखने और हड्डियों के स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करती है.

हीमोग्लोबिन लेवल में सुधार करता है-

ज्वार में जरूरी मिनरल्स, आयरन और कॉपर होते हैं जो शरीर में ब्लड फ्लो और सर्कुलेशन को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करते हैं.

वजन घटाने में मददगार-

अगर आप वाकई एक्स्ट्रा फैट कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो अपने डाइट में ज्वार को शामिल करना शुरू करें

ग्लाइसेमिक इंडेक्स क्या है?

विशेषज्ञों का कहना है कि ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) यह मापता है कि कोई खाद्य पदार्थ आपके रक्त शर्करा (ग्लूकोज) को कितनी तेजी से बढ़ सकता है. केवल कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों में जीआई होता है. तेल, फैट और मांस जैसे खाद्य पदार्थों में जीआई नहीं होता है, हालांकि डायबिटीज वाले लोगों में, वे ब्लड शुगर को प्रभावित कर सकते हैं. आम तौर पर, कम जीआई वाले खाद्य पदार्थ आपके शरीर में ग्लूकोज को धीरे-धीरे बढ़ते हैं. वहीं हाई जीआई वाले खाद्य पदार्थ ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ते हैं. यदि जीआई 56-69 के बीच है, तो इसे मध्यम ग्लाइसेमिक इंडेक्स माना जाता है, और यदि यह 70 से ऊपर है, तो इसे हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स माना जाता है.

स्टार किड्स को भी नहीं मिलते मौके अगर वो...

मोहित मलिक पिछले 30 सालों से टीवी की दुनिया में एक्टिव हैं। वह कुल्फी कुमार बाजेवाला और साइबर वार जैसे टीवी शो में नजर आ चुके हैं। हाल ही में मोहित मलिक आजाद फिल्म में नजर आए। फिल्म में उन्होंने तेज बहादुर का किरदार निभाया है। हाल ही में स्क्रीन के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि अपनी कला के प्रति अविश्वास की वजह से वह फिल्मों से दूर रहे। इसी वजह से उन्हें लंबा इंतिजार करना पड़ा।

मोहित मलिक ने बताया साल 2016 में मेरे अंदर इतना आत्मविश्वास नहीं था कि मैं फिल्मों में काम करूं। मुझे अपनी कला पर भरोसा नहीं था। आत्मविश्वास आने के बाद मैंने 2017-18 में फिल्मों में हाथ आजमाया। टीवी सीरियल में काम करने के दौरान मैं अक्सर टाइम निकाल कर फिल्मों के ऑडिशन के लिए जाया करता था। अभिषेक कपूर को मेरा ऑडिशन अच्छा लगा और उन्होंने मुझे फोन किया। मैंने दूसरा टेस्ट दिया और मैं इसमें पास हो गया।

नई इंडस्ट्री में काम करने में होती है दिक्कत

मलिक ने आगे बताया कि एक अलग इंडस्ट्री में इतने लंबे वक्त तक काम करने के बाद, एक दूसरे नए उद्योग में एकदम से शुरुआत करने के बाद, आप अहंकार से भी जूझते हैं। लेकिन जुनून अहंकार को हरा देता है। मैं आज भी लोगों के पास जाता हूं और उनसे काम मांगता हूं। लोगों ने आजाद में मेरे काम को पसंद किया। मोहित से पूछा गया कि स्टार किड को अदाकारी का कोई तजुर्बा नहीं होता है। ऐसे में उन्हें काम मिल जाता है, इस पर उनका क्या कहना है? इस पर एक्टर ने जवाब दिया एक वक्त के बाद उन्हें भी मौके मिलने बंद हो जाते हैं।

स्टार किड्स को भी करनी पड़ती है मेहनत

मलिक ने बताया अगर मैं भी किसी फिल्मी परिवार में पैदा होता, तो मुझे भी कोई गॉडफादर मिलता और मुझे कई अवसर मिलते। हालांकि, यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने काम में कितनी मेहनत कर रहे हैं। अगर आप अपने काम को निखारने के लिए मेहनत नहीं कर रहे हैं, तो आप अपने सभी मौकों को बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए स्टार किड्स को भी बने रहने के लिए मेहनत करनी पड़ती है। उन्हें कई मौके मिल सकते हैं, लेकिन अगर उनके काम में सुधार नहीं होगा, तो काम नहीं मिलेगा।

जब 12 ऑडिशन के बाद अनुप्रिया गोयनका के हाथ से फिसली सलमान की फिल्म?

अनुप्रिया गोयनका बॉलीवुड और ओटीटी की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने टाइगर जिंदा है, पद्मावत और वॉर जैसी बड़ी फिल्मों में काम किया है। ओटीटी पर भी सेक्रेड गेम्स, अभय और क्रिमिनल जस्टिस में उन्होंने अदाकारी से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। लेकिन क्या आपको पता है कि सलमान खान की एक फिल्म उनके हाथ से निकल गई थी? दरअसल, फिल्म सुल्तान के लिए अनुप्रिया ने कई ऑडिशन दिए थे, लेकिन अंत में यह रोल अनुष्का शर्मा के पास चला गया था।

हाल ही में बातचीत में अनुप्रिया ने इस अनुभव को साझा किया। अनुप्रिया ने कहा कि सुल्तान के लिए उनका सफर आसान नहीं था। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, मैंने मुख्य किरदार के लिए ऑडिशन दिया था। उस वक्त यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) नए चेहरों की तलाश में था।

एक महीने तक चली प्रक्रिया

अनुप्रिया ने आगे कहा, मेरे 11-12 टेस्ट हुए। पहले एक ऑडिशन, फिर दूसरा, फिर म्यूजिक वीडियो टेस्ट, वैभवी मर्चेंट के साथ डांस टेस्ट और आखिर में डायरेक्टर अली अब्बास जफर के साथ रीडिंग्स। उन्होंने आगे कहा, शुरुआत में मुझे पता ही नहीं था कि यह सुल्तान के लिए है। वाईआरएफ में असली स्क्रिप्ट नहीं देते। वे दूसरी स्क्रिप्ट पर ऑडिशन लेते हैं। जब मैं अली से मिली और उन्होंने मिस्टर खान का जिक्र किया तब मुझे समझ आया कि यह सलमान की फिल्म है। अनुप्रिया को उम्मीद थी कि शायद उन्हें मौका मिल जाए। लेकिन जब रिजल्ट आया तो उनका दिल टूट गया। अभिनेत्री ने कहा, यह मेरे लिए बहुत दुखद था। अनुप्रिया ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, एक तो मैं सांवली हूं और मुझे इस पर गर्व है, लेकिन मैं टिपिकल वाईआरएफ हीरोइन नहीं हूं। मेरी टांगें परफेक्ट शेप की नहीं हैं।

सुल्तान रही थी ब्लॉकबस्टर

सुल्तान की बात करें तो यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। अनुष्का शर्मा ने इसमें पहलवान का किरदार निभाकर खूब तारीफें बटोरी थीं। अनुप्रिया भले ही यह फिल्म न कर पाई, लेकिन उनकी मेहनत और जज्बा आज भी उनकी दूसरी परियोजनाओं में नजर आता है।

एक जादूगर बन जादू दिखाएंगे विक्की कौशल!

विक्की कौशल इन दिनों अपनी हालिया फिल्म छावा की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। अब कथित तौर पर विक्की कौशल अपनी एक और नई फिल्म के साथ एक और धमाका करने के लिए तैयार हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक पोस्टर वायरल हो रहा है, जिसमें विक्की कौशल जादूगर की ड्रेस पहने नजर आए। पैपराजी पेज और यूजर द्वारा यह विक्की की नई फिल्म बताई जा रही है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टर में बताया गया है कि फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार कर रहे हैं और यह राइजिंग सन प्रोडक्शन है। हालांकि, विक्की ने अपने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म का पोस्टर साझा नहीं किया है। पोस्टर में विक्की को हरे रंग की ड्रेस में देखा गया, जो जादूगर की भूमिका में उनके किरदार की ओर इशारा करता है। हालांकि, अब इस फिल्म पर मेकर्स और विक्की की ओर से आधिकारिक एलान का इंतजार है।

पहली फिल्म से मिला नेशनल क्रश का टैग, बॉलीवुड में भी चला श्रीवल्ली का जादू

भारतीय सिनेमा की चमकती सितारा रश्मिका मंदाना अपना जन्मदिन मना रही हैं। कर्नाटक के एक छोटे से शहर विराजपेट से निकलकर साउथ सिनेमा में अपनी पहचान बनाने वाली रश्मिका आज न सिर्फ दक्षिण भारत की सुपरस्टार हैं, बल्कि बॉलीवुड में भी अपनी धमाकेदार मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं। उनके जन्मदिन के मौके पर आइए एक नजर डालते हैं उनके करियर के उस शानदार सफर पर, जहां साउथ से बॉलीवुड तक पहुंचते हुए उन्होंने छोटे-छोटे रोल्स को भी अपनी अदाकारी से बड़ा बना दिया और बड़े सितारों के साथ काम करते हुए देशभर में लोकप्रियता हासिल की।

रश्मिका ने अपने करियर की शुरुआत 2016 में कन्नड़ फिल्म किरिक पार्टी से की थी। यह फिल्म न सिर्फ उनकी डेब्यू फिल्म थी, बल्कि उनकी जिंदगी का एक अहम मोड़ भी बनी। इस फिल्म में उनके को-स्टार रक्षित शेट्टी के साथ उनकी ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन केमिस्ट्री ने सबका ध्यान खींचा। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों करीब आए और 3 जुलाई 2017 को रश्मिका के गृहनगर विराजपेट में एक निजी समारोह में दोनों ने सगाई कर ली। सितंबर 2018 में दोनों ने आपसी सहमति से सगाई तोड़ दी। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि रश्मिका का करियर पर फोकस करना भी इस टूटन की वजह बना। किरिक पार्टी की सफलता के बाद रश्मिका ने तेलुगु सिनेमा में कदम रखा। गीता गोविंदम (2018) में विजय देवरकोंडा के साथ उनकी जोड़ी हिट रही, जिसके बाद से ही दोनों के रिश्ते की अफवाहें शुरू हुई, लेकिन असली धमाका तब हुआ, जब 2021 में पुष्पा- द राइज रिलीज हुई। अल्लू अर्जुन के साथ श्रीवल्ली का किरदार निभाकर रश्मिका ने पूरे देश का दिल जीत लिया। हाल ही में रिलीज हुई पुष्पा 2- द रूल ने तो 1600 करोड़ रुपये से ज्यादा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर उनकी लोकप्रियता को नई ऊंचाई दी। यह उनकी अब तक की सबसे बड़ी हिट फिल्म है।

श्रीवल्ली बनकर मिली खास पहचान

रश्मिका के करियर में कई टर्निंग पॉइंट्स रहे, लेकिन पुष्पा में श्रीवल्ली का किरदार उनके लिए गेम-चेंजर साबित हुआ। इस रोल ने उन्हें साउथ की सीमाओं से निकालकर पूरे भारत में पहचान दिलाई। श्रीवल्ली की सादगी, डांस मूव्स और अल्लू अर्जुन के साथ उनकी जोड़ी ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। फिल्म के गाने जैसे सामी सामी और श्रीवल्ली आज भी हर जुबान पर हैं। पुष्पा 2 में उनका किरदार और मजबूत हुआ, जिसने उन्हें पैन-इंडिया सुपरस्टार बना दिया। यह किरदार ही था, जिसने उन्हें नेशनल क्रश से लेकर बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस तक का सफर तय कराया।

मेरा किरदार सिर्फ उसके रूप तक सीमित नहीं है

शेमारू उमंग पर प्रसारित जमुनीया शो अपने प्रसारण के बाद से ही दर्शकों का दिल छू रहा है और समाज में खूबसूरती, स्वीकृति और आंतरिक शक्ति को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा छेड़ रहा है। यह कहानी जमुनीया नाम की एक लड़की की है, जो अपने सांवले रंग के कारण समाज की आलोचना का शिकार होती है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ सुंदरता को अक्सर गोरेपन से जोड़ा जाता है, उसके लिए हर दिन एक नई चुनौती होता है। लेकिन, जमुनीया हार मानने वालों में से नहीं है, वह अपने आत्मविश्वास और साहस से इन भेदभावों का डटकर सामना करती है। शो के नाम और इसके गहरे अर्थ के बारे में बात करते हुए मुख्य अभिनेत्री आलेया घोष कहती हैं, जमुनीया, जामुन के फल की तरह ही कई गुणों से भरपूर है। जैसे जामुन सेहत के लिए लाभकारी होता है, वैसे ही मेरा किरदार जमुनीया सिर्फ अपनी बाहरी सुंदरता तक ही सीमित नहीं है। वह निडर है और हमेशा सच के लिए खड़ी होती है। मौजूदा कहानी में, उसने खुद को बखूबी साबित किया है और वह जानती है कि अपने हक के लिए कैसे लड़ना है। वह किसी को भी खुद पर अन्याय नहीं करने देगी और अपने पति की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगी, भले ही उसका पति और परिवार उसे उसके रूप के कारण स्वीकार न करें। लोग अक्सर रूप-रंग के आधार पर निर्णय लेते हैं, लेकिन असली सुंदरता साहस, विनम्रता और आत्मबल में होती है। अब समय आ गया है कि हम त्वचा के रंग से आगे बढ़ें और अपने अंदर के हीरो को पहचानें। जमुनीया का दुनिया का नज़रिया बदलने को लेकर उसकी संघर्ष से भरी यात्रा के ज़रिए, यह शो एक सशक्त संदेश देता है। सौंदर्य सिर्फ चेहरे की सुंदरता में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संकल्प और सच्चे दिल में होता है।

बॉलीवुड का बुरा दौर खत्म होगा नए फिल्ममेकर लाएंगे बदलाव

तेलुगु एक्टर विजय देवरकोंडा ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मौजूदा हालत पर खुलकर अपनी राय रखी है। जहां बॉलीवुड के बॉक्स ऑफिस नतीजे चिंता का विषय बने हुए हैं, वहीं साउथ सिनेमा का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बहस के बीच विजय का मानना है कि यह सब एक चक्र का हिस्सा है और जल्द ही हिंदी सिनेमा भी नए जोश के साथ वापसी करेगा।

यह सिर्फ एक चक्र है

बातचीत में कहा, साउथ फिल्म इंडस्ट्री का अभी शानदार दौर चल रहा है। लेकिन यह सिर्फ एक चक्र है। एक समय था जब आप हमें जानते भी नहीं थे। एक समय था जब इंडियन सिनेमा ने जबरदस्त पहचान बनाई थी और इंटरनेशनल ऑडियंस तक पहुंचा था। अब यह साउथ सिनेमा का समय है। 5 या 10 साल बाद फिर कुछ नया बदलाव आएगा। हिंदी सिनेमा को नया दौर मिलेगा विजय का मानना है कि हिंदी सिनेमा जल्द ही एक नया दौर देखेगा, जहां नए फिल्ममेकर इसे आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा, इस बदलाव से नए फिल्ममेकर निकलकर आएंगे, जो हिंदी सिनेमा को फिर से मजबूत बनाएंगे। बहुत जल्द हिंदी सिनेमा को नए डायरेक्टर और कहानीकार मिलेंगे, जो शायद मुंबई से बाहर के होंगे। मेरा मानना है कि वे हिंदी भाषी इलाकों से आएंगे और बिल्कुल अलग तरह की फिल्में बनाएंगे। उनकी स्टोरीटेलिंग साउथ से भी अलग होगी।

बाहुबली ने दी पहचान

विजय ने बाहुबली का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे एस. एस. राजामौली ने इस फिल्म के जरिए तेलुगु सिनेमा को ग्लोबल पहचान दिलाई। उन्होंने कहा, तेलुगु सिनेमा को बड़े ऑडियंस तक पहुंचने के लिए काफी स्ट्रगल करना पड़ा। जब एस. एस. राजामौली ने बाहुबली बनाई, तो उन्होंने ऐसे दो एक्टर्स पर भारी निवेश किया, जिन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री शायद जानती भी नहीं थी। अगर फिल्म न चलती, तो बहुत सारे करियर खत्म हो सकते थे। प्रोड्यूसर्स को बड़ा नुकसान होता और एक्टर्स ने 5 साल सिर्फ एक फिल्म के लिए दिए थे। यह सबके लिए बहुत बड़ा रिस्क था। लेकिन इस तरह की लड़ाई लड़नी पड़ती है। मुझे लगता है कि हिंदी सिनेमा भी अपनी राह ढूंढ लेगा। यह सब जिंदगी का हिस्सा है।

कौन है ऋतिक का फेवरेट को-स्टार?

ऋतिक रोशन को जल्द ही स्पाई थ्रिलर वॉर 2 में देखा जाएगा। वॉर 2 इस साल 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है। फैंस इस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान ऋतिक ने अपने वॉर 2 सह-कलाकार जूनियर एनटीआर की तारीफ की। जब उनसे पसंदीदा सह-कलाकार के बारे में पूछा गया तो ऋतिक ने जूनियर एनटीआर का नाम लिया, जिसके बाद फैंस ने जोरदार तालियां बजाईं। ऋतिक ने जूनियर एनटीआर को शानदार बताते हुए कहा कि वह एक बेहतरीन टीममेट हैं। वॉर 2 ऋतिक रोशन की 2019 की हिट फिल्म वॉर का सीक्वल है। यह यशराज फिल्म्स स्पाईवर्स का हिस्सा है, जो कई एक्शन फिल्मों को जोड़ता है।

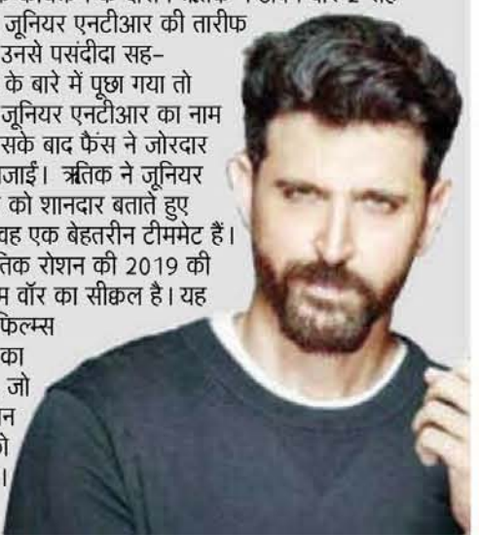

भारतीय जनता पार्टी के

45वें स्थापना दिवस

पर सभी को

हार्दिक शुभकामनाएं

प्रणीत भाटी

पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा एवं

लोकसभा प्रभारी, गौतमबुद्धनगर